संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शुक्रवार
24अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 120
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कर रही है निरंतर किसान हित के कार्य: मुख्यमंत्री

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

झज्जर में दर्दनाक सड़क हादसा, ड्यूटी पर जा रही स्टाफ नर्स की ट्राले ने कुचला, मौत

झज्जर- झज्जर में गुरूवार सुबह एक बार फिर से तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक तेज रफ्तार ट्राले ने स्कूटी सवार स्टॉफ नर्स को कुचल दिया,जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक स्टॉफ नर्स की पहचान झज्जर के गांव ग्वालीशन की रहने वाली ममता के तौर पर हुई है। हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार बताया जाता है।

112 डॉयल पर मिली सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हादसा स्थल का मौका-मुआयना किए जाने के बाद मृतक स्टॉफ नर्स के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मौके पर पहुंचे डॉयल नम्बर 112 पर कार्यरत पुलिस कर्मचारी ने बताया कि उन्हें हादसे की सूचना मिली थी जिसके बाद ही वह मौके पर पहुंचे है।

उन्होंने बताया कि हादसा झज्जर-ग्वालीशन मार्ग पर रेलवे फाटक के क्रॉस करने के बाद झज्जर की तरफ हुआ। यहां एक ट्राले ने स्कूटी पर जा रही एक स्टॉफ नर्स को कुचल दिया। हादसे के बाद ट्राला चालक अपने वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस कर्मचारी का कहना है कि मृतका की पहचान गांव ग्वालीशन की रहने वाली ममता के तौर पर हुई है। ममता गांव गिरावड़ के एक मैडिकल कॉलेज में बतौर स्टॉफ नर्स काम करती थी। रोज की तरह ममता अपनी स्कूटी पर सवार होकर ड्यूटी पर जा रही थी। जब उसने यहा रेलवे फाटक को ग्वालीशन मार्ग पर क्रॉस किया तो उसी दौरान तेज गति से आए एक ट्राले ने उसकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया।

1 नवंबर से ऑनलाइन डीड पंजीकरण अनिवार्य - वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा

हरियाणा देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां डीड पंजीकरण सौ फीसदी पेपरलेस होगा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दृष्टिकोण के अनुसार, 1 नवंबर, 2025 से राज्य के सभी 22 जिलों में कागज़ रहित डीड पंजीकरण अनिवार्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल शासन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार का यह कदम पारंपरिक जटिल पंजीकरण प्रणाली से पूरी तरह से निजात दिलाकर सरल, डिजिटल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल प्लेटफ़ॉर्म https://eregistration.revenuehary-ana.gov.in/ बन जाएगा। कार्यान्वयन तिथि के बाद, मौजूदा प्रणाली स्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी, जिससे हरियाणा भारत में 100% कागज़ रहित संपत्ति पंजीकरण प्राप्त करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।

डॉ मिश्रा ने बताया कि राजस्व विभाग ने राज्य भर में सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से रणनीति अपनाई है। पहले चरण का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा 29 सितंबर, 2025 को कुरुक्षेत्र जिले के बबैन उप-तहसील से किया गया। इसके बाद , कागज रहित पंजीकरण का दूसरा चरण 28 अक्टूबर, 2025 से दस और जिलों:- अंबाला, यमुनानगर, करनाल, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, फरीदाबाद, फतेहाबाद, पलवल, जींद और झज्जर में शुरू होगा। शेष जिलों भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, हिसार, कैथल, नूंह, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सिरसा और सोनीपत के लिए तीसरे चरण के तहत 1 नवंबर, 2025 से इस नई प्रणाली को अपना लिया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि नया ऑनलाइन डीड पंजीकरण पोर्टल संपत्ति पंजीकरण के सभी पहलुओं को एक एकीकृत, उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस में एकीकृत करता है। नागरिक अब सुरक्षित ओटीपी प्रमाणीकरण के माध्यम से अपनी पहचान पंजीकृत और सत्यापित कर सकते हैं, निर्देशित सहायता से बिक्री विलेख फ़ॉर्म भर सकते हैं, सहायक दस्तावेज़ डिजिटल रूप से अपलोड कर सकते हैं, अपनी सुविधानुसार उप-पंजीयकों के साथ अपॉइंटमेंट शेड्यूल कर सकते हैं और स्वचालित एसएमएस अलर्ट के माध्यम से रीयल-टाइम में आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं। यह प्रणाली आवासीय, कृषि, सरकारी, पंचायती और रक्षा-स्वामित्व वाली भूमि, साथ ही अपार्टमेंट की बिक्री और सह-स्वामित्व हस्तांतरण सहित सभी प्रकार की संपत्ति को समायोजित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों, नगरपालिका सीमा के भीतर शहरी क्षेत्रों और नगरपालिका सीमा के बाहर शहरी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग वर्कफ़्लो डिज़ाइन किए गए हैं, जो क्षेत्राधिकार संबंधी सटीकता और प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करते हैं।

वित्तायुक्त ने बताया कि यह पोर्टल एक मज़बूत त्रि-स्तरीय सत्यापन प्रणाली का उपयोग करता है जिसमें पंजीकरण क्लर्क 1 (RC1), पंजीकरण क्लर्क 2 (RC2) और उप-पंजीयक शामिल हैं। प्रत्येक चरण में डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणीकरण, पक्षों और गवाहों का फोटो सत्यापन, आवेदकों को स्वचालित स्थिति सूचनाएँ और सुरक्षित ऑनलाइन भुगतान एकीकरण शामिल हैं। यह बहु-स्तरीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि गति और पारदर्शिता बनाए रखते हुए प्रत्येक लेनदेन की पूरी तरह से जाँच की जाए। सभी दस्तावेज़ों का ऑनलाइन सत्यापन हो जाने के बाद, नागरिकों को केवल एक बार - अंतिम बायोमेट्रिक सत्यापन और विलेख निष्पादन के लिए - पंजीकरण कार्यालय जाना होगा। उप-पंजीयक द्वारा अनुमोदन के बाद, सिस्टम स्वचालित रूप से पंजीकृत दस्तावेज़ की तीन प्रतियाँ तैयार करता है: एक नागरिक के लिए, एक आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए, और एक इलेक्ट्रॉनिक रूप से पटवारी को तत्काल नामांतरण और भूमि रिकॉर्ड अपडेट के लिए।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, राजस्व विभाग ने सभी हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। निर्बाध डेटा स्थानांतरण की सुविधा के लिए, सभी नामांतरण प्रविष्टियों को 25 अक्टूबर, 2025 से पहले सिस्टम में शामिल किया जाना चाहिए।

महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

पटना- वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने हैं। गहलोत ने यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'सभी को (देश के हालात को लेकर) चिंतित होना चाहिए। इसलिए मैं खड़गे जी, राहुल जी और यहाँ बैठे अन्य लोगों से सलाह-मशविरा करने के बाद कह सकता हूँ कि तेजस्वी यादव इस चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। वह एक युवा हैं। उनका भविष्य उज्ज्वल है और जनता उनका समर्थन करेगी।' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए गहलोत ने कहा कि बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं क्योंकि वे बेरोजगारी सहित कई मुद्दों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार जिस तरह से काम कर रही है, वह 'लोकतंत्र के लिए ख़तरा' है। उन्होंने आगे कहा, 'देश और राज्य की हालत देखकर चिंतित होना स्वाभाविक है। स्थिति गंभीर है। एनडीए सरकार जिस तरह से काम कर रही है, वह लोकतंत्र के लिए ख़तरा है। ध्रुवीकरण हो रहा है। कोई नहीं जानता कि देश किस दिशा में जा रहा है।

मोदी का राजद-कांग्रेस पर हमला, गठबंधन को बताया लठबंधन; बोले- लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे 'जंगलराज'

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बिहार में ''जंगलराज'' पर अगले 100 साल तक चर्चा होगी और विपक्ष अपने कुकृत्यों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी। तेजस्वी यादव को बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बीच राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'गठबंधन' नहीं, बल्कि 'लठबंधन' (अपराधियों का गठबंधन) है क्योंकि दिल्ली-बिहार के इसके सभी नेता जमानत पर बाहर हैं।

मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बुजुर्ग लोग युवाओं को ''जंगलराज'' के दौरान हुए अत्याचारों के बारे में जानकारी दें। मोदी का इशारा उस समय की ओर था जब बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे। ऑडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूतः युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार में 'जंगलराज' को लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे। विपक्ष अपनी करतूतों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी।

मोदी ने कहा कि मैं बिहार के सभी युवाओं से कहूंगा कि वे हर बूथ पर युवाओं को इकट्ठा करें। उस क्षेत्र के बुजुर्गों को बुलाकर 'जंगलराज' की पुरानी कहानियां सबको बताएं। उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता से बातचीत करते हुए कहा कि देश में विकास का एक 'महायज्ञ' चल रहा है, तथा केंद्र और बिहार में स्थिर सरकार के कारण चौतरफा काम हो रहा है। बिहार में हर क्षेत्र में, हर दिशा में काम हो रहा है। अस्पताल बन रहे हैं, अच्छे स्कूल स्थापित हो रहे हैं और नए रेल मार्ग विकसित किए जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि देश और बिहार में एक स्थिर सरकार है। जब स्थिरता होती है, तो विकास तेज होता है। यही बिहार की राजग सरकार की ताकत भी है।

यही कारण है कि बिहार के युवा उत्साह से कह रहे हैं- 'रफ्तार पकड़ चुका बिहार, फिर से एनडीए सरकार'। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने के लिए है और युवा इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। बिहार को प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप हब बनाने की जरूरत है, ताकि युवा अन्य राज्यों का रुख न करें और राज्य में ही अपनी आजीविका कमा सकें। हम सभी को अगले 20 दिन तक चौबीसों घंटे लोगों के बीच रहना होगा। बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

भारतीय मूल का ट्रक ड्राइवर जसनप्रीत सिंह गिरफ्तार, तीन की मौत

चंडीगढ़ - अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रक चालक भारतीय मूल के 21 वर्षीय जसनप्रीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह यूबा सिटी का निवासी बताया जा रहा है।

यह हादसा मंगलवार दोपहर को कैलिफोर्निया की 10 फ्रीवे पर ओंटारियो शहर के पास हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जसनप्रीत सिंह नशे की हालत में तेज रफ्तार से ट्रक चला रहा था, और उसने सामने धीमी रफ्तार से चल रही गाड़ियों पर ब्रेक नहीं लगाई, जिससे श्रृंखलाबद्ध टक्कर हो गई।

हादसे के बाद कई वाहनों में आग लग गई, जिससे फ्रीवे पर भयंकर आग का गोला फैल गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल ने बताया कि सिंह को रैंचो कुकामोंगा स्थित वेस्ट वैली डिटेंशन सेंटर में हिरासत में रखा गया है। उस पर ड्रग्स के प्रभाव में वाहन चलाने और वाहन जनित हत्या के आरोप लगाए जा रहे हैं।

ग्राउंड जीरो पर हरियाणा के डीजीपी ओ.पी. सिंह: रात में खुद निकले पुलिस व्यवस्था देखने, थानों और चौकियों में किया औचक निरीक्षण

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (DGP) ओ.पी. सिंह ने देर रात राज्य की पुलिस व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के की गई इस कार्रवाई ने पुलिस व्यवस्था में नई ऊर्जा भर दी है। डीजीपी सिंह ने खुद अपनी गाड़ी से रात करीब 10 बजे यमुनानगर से अंबाला तक कई थानों, चौकियों और नाकों का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद किया।

यमुनानगर से अंबाला तक रात की यात्रा:

डीजीपी सिंह ने अपनी यात्रा की शुरुआत यमुनानगर जिले के कलानौर बॉर्डर नाके से की, जहाँ उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से बात की और सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की। मौके पर पहुंचे एसपी कमलदीप गोयल को उन्होंने निर्देश दिए कि नाकों की कार्यक्षमता और सतर्कता हर समय सर्वोच्च स्तर पर बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने नाकों पर पुलिसकर्मियों के लिविंग एन्वायरमेंट को और अधिक बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इसके बाद वे अंबाला जिले के साहा थाने पहुंचे, जहाँ उन्होंने करीब 70 मिनट तक SHO और स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने केस डायरी, लंबित मामलों, अपराधियों की गतिविधियों और थानों के बीच समन्वय की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

'मैन-टू-मैन मार्किंग' की रणनीति:

निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण के लिए अब "मैन-टू-मैन मार्किंग" अपनाई जाएगी। प्रत्येक सक्रिय अपराधी की निगरानी के लिए 4–5 पुलिसकर्मियों की समर्पित टीम लगाई जाएगी ताकि अपराधियों को हर कदम पर पुलिस की मौजूदगी का एहसास रहे और उनकी गतिविधियों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके।

सूचना नेटवर्क और मीडिया की भूमिका पर बल:

कलानौर चौकी पर निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने निर्देश दिए कि एसएचओ रोजाना सुबह क्षेत्र का राउंड करें और हाल ही में जेल से छूटे या संदिग्ध अपराधियों की गतिविधियों पर रिपोर्ट तैयार करें। यह जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा की जाए ताकि समन्वित कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि जनता को यह भी पता होना चाहिए कि पुलिस सिर्फ अपराध के बाद नहीं, बल्कि अपराध होने से पहले भी सक्रिय है।

थानों की व्यवस्थाओं और पब्लिक डीलिंग पर विशेष ध्यान:

डीजीपी ने साहा थाने में रिकॉर्ड, जब्त वाहनों की स्थिति, विजिटर क्षेत्र और कर्मियों की तैनाती की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि थानों में आने वाला हर नागरिक सहज महसूस करे — इसके लिए थानों में साफ-सुथरे विजिटर रूम और प्रशिक्षित स्टाफ अनिवार्य किए जा रहे हैं।

नई जवाबदेह कार्यसंस्कृति की दिशा में कदम:

डीजीपी ओ.पी. सिंह के इस रात्रि निरीक्षण में आईजी राकेश कुमार आर्य भी साथ रहे। यह निरीक्षण न केवल पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरक रहा बल्कि यह संदेश भी देता है कि अब हरियाणा पुलिस की प्राथमिकता जमीनी उपस्थिति, त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही है।

सरकार ने आम जनता की सुविधा के लिए पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह की बुकिंग को किया ऑनलाइनः मुख्यमंत्री

ऑनलाइन बुकिंग के साथ-साथ कमरा नम्बर भी मोबाइल या ई-मेल पर उपलब्ध

शिमला। प्रदेश की जनता की सुविधा के लिए सरकार ने सराहनीय कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग के सभी विश्राम गृहों की बुकिंग को न केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा सुनिश्चित किया है बल्कि यह भी तय किया है कि कमरों की बुकिंग के साथ-साथ कमरा नम्बर भी तुरन्त लोगों को उनके मोबाइल या ई-मेल पर उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बताया कि पहले आम जनता के लिए लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृहों की बुकिंग आसानी से नहीं प्राप्त होती थी। वर्तमान सरकार ने यह निर्णय लिया कि सभी विश्राम गृहों की बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी, ताकि आम जनता इस सुविधा से लाभान्वित हो सके।

पूर्व में विश्राम गृहों की बुकिंग केवल ऑफलाइन होती थी, लेकिन जून 2025 से सभी विश्राम गृहों की बुकिंग ऑनलाइन कर दी गई। इससे न केवल पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है, बल्कि राजस्व में भी बढ़ोतरी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम ''व्यवस्था परिवर्तन'' की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में सभी छोटे और बड़े कार्यालय डिजिटल हों ताकि लोगों को घर-द्वार पर ही सभी सुविधाएं मिल सकें।

लोक निर्माण विभाग के सचिव अभिषेक जैन ने बताया कि जून, 2025 से 10 अक्टूबर तक विश्राम गृहों की ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से दो करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि इसी दौरान प्रदेश प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा था।

उन्होंने कहा कि अब बुकिंग ''पहले आओ, पहले पाओ'' के आधार पर हो रही है और तुरंत इसकी पुष्टि की जाती है। इस वर्ष जून माह से अब तक प्रतिदिन 276 विश्राम गृहों और 1000 से अधिक कमरों की बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से हुई है। बुकिंग के लिए 50 प्रतिशत अग्रिम राशि ली जाती है, जिसके तहत हिमाचली नागरिकों के लिए 250 रुपये तथा गैर-हिमाचली के लिए 500 रुपये अग्रिम भुगतान का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से विश्राम गृहों की बुकिंग में इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर विश्राम गृह के कमरे पहले औसतन 62 प्रतिशत तक भरे रहते थे और यह प्रतिशतता अब ऑनलाइन सुविधा शुरू होने से 85 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। इसी प्रकार, तारा देवी विश्राम गृह की बुकिंग औसतन 30 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत, धर्मशाला विश्राम गृह की बुकिंग औसतन 50 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत तथा घुमारवीं विश्राम गृह की बुकिंग औसतन 30 प्रतिशत से बढ़कर 66 प्रतिशत हो गई है।

अभिषेक जैन ने बताया कि वे स्वयं विश्राम गृहों का दौरा कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इनका सही तरीके से रख-रखाव हो और आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण भोजन भी नियमित रूप से उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री ने होम स्टे इकाइयों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के निर्देश दिए

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां राज्य में पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दस दिनों के भीतर होम स्टे इकाइयों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभागों के लिए यूजर फ्रैंडली ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के लिए सक्षम सॉफ्टवेयर कंपनियों की सेवाएं लेने के साथ साथ इस संदर्भ में टेंडर भी जारी किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के होटलों, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिथिगृहों और विभिन्न विभागों के विश्राम गृहों में सभी भुगतान ऑनलाइन किए जाएं, जिसमें खाद्य बिलों का भुगतान आदि भी शामिल हो।

उन्होंने एशियन विकास बैंक और पर्यटन विकास बोर्ड परियोजनाओं के लिए नक्शे तैयार करने के लिए पेशेवर आर्किटेक्ट्स की सूची तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसे दस दिनों के भीतर विज्ञापित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करने में तेज़ी लाई जाए तथा इस प्रक्रिया को अधिक सरल बनाया जाए। उन्होंने पर्यटन निवेश प्रोत्साहन परिषद के प्रस्तावित नियमों में बदलाव करने का सुझाव भी दिया, जिस पर बैठक में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निर्माणाधीन होटलों पर भी पर्यटन निवेश प्रोत्साहन परिषद के नियमों के तहत विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम की घाटे में चल रही इकाइयों के संचालन और रख-रखाव की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के निर्देश दिए ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सके।

बैठक में मुख्य सचिव संजय गुप्ता, प्रधान सचिव देवेश कुमार, पर्यटन निदेशक विवेक भाटिया, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को शीघ्र ठीक करें ~ केवल सिंह पठानिया

विधायक के निर्देश पर एनएचएआई ने किया सड़क सुधार कार्य आरंभ

बोले......जनता की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि

शाहपुर, । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में बरसात से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा, ताकि आमजन को आवाजाही में कोई कठिनाई न हो। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रैत में दी।

उन्होंने बताया कि एनएचएआई अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्होंने चंबी, लदवाड़ा, सारनू सहित अन्य क्षेत्रों की सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। लगातार बारिश के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बनने से लोगों, विशेषकर मरीजों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। विधायक पठानिया ने कहा कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि इन सड़कों को शीघ्र दुरुस्त किया जाए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सभी क्षतिग्रस्त हिस्सों को जल्द ठीक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रैत से चंबी, लदवाड़ा मार्ग पर क्षतिग्रस्त सड़क पर टायरिंग का कार्य पूरा हो गया है, जबकि पुहाड़ा के पास सड़क सुधार कार्य जारी है। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली अन्य सड़कों की मरम्मत भी प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। विधायक ने यह भी बताया कि रैतङ्कोहलाङ्कबल्ला सड़क का निर्माण कार्य, जो भारी बारिश के कारण रुका हुआ था, अब शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र की अन्य सड़कों का निर्माण कार्य भी चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को 23 अक्टूबर 2025 को शिमला में एपीएमसी कांगड़ा जिले के अध्यक्ष निशु मोंगरा द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए पांच लाख रुपये का चेक भेंट किया गया।

दिल्ली की सांसों पर प्रदूषण का पहरा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषण के जहर वाली हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। हवा की रफ्तार सुस्त पड़ने के चलते प्रदूषण के स्तर में इजाफा हुआ है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा। अनुमान है कि दिल्ली की हवा में मौजूद धुएं और धुंध की यह परत अगले दो-तीन दिनों तक बनी रह सकती है। आज भी दिल्ली में हवा का स्तर बेहद खराब बना हुआ है। कई जगहों पर एक्यूआई 350 के पार है।

अच्छे मानसून के चलते इस बार राजधानी दिल्ली की हवा आमतौर पर साफ-सुथरी रही थी, लेकिन बीते नौ दिनों में ही प्रदूषक कणों में तेजी से इजाफा हुआ है। 13 अक्तूबर को वायु गुणवत्ता सूचकांक 189 के अंक पर रहा था। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है और यह सुरक्षित दायरे में है। इसके बाद से ही वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से इजाफा हुआ है और पहले तो हवा खराब और फिर खराब श्रेणी में पहुंच गई। पिछले तीन दिनों से दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। दीवाली की शाम हुई आतिशबाजी का धुआं अभी भी वायुमंडल में बना हुआ है। हवा की रफ्तार कम होने के चलते प्रदूषक कणों के विसर्जन की गति बेहद धीमी है। हवा रही बेहद खराब~ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 353 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बेहद खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह सूचकांक 351 के अंक पर रहा था। दिल्ली नेहरू नगर और पंजाबी बाग जैसे इलाकों का सूचकांक 400 के अंक के पार यानी गंभीर श्रेणी में पहुंचा हुआ है। प्रदूषण और नमी के चलते दिल्ली के वायुमंडल में धुंध और धुएं की एक परत छाई हुई है। दिल्ली के पालम इलाके में सुबह के समय हल्का कोहरा देखने को मिला। सुबह आठ बजे के लगभग कोहरे और धुंध के चलते दृश्यता का स्तर गिरकर 800 मीटर तक पहुंच गया। राजधानी दिल्ली की हवा में अभी सामान्य से लगभग तीन गुना ज्यादा प्रदूषण मौजूद हैं। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। बुधवार की शाम तीन बजे दिल्ली-एनसीआर की हवा में पीएम 10 का स्तर 293 और पीएम 2.5 का स्तर 185 पर रहा। प्रदूषक कणों का स्तर मानकों से लगभग तीन गुना ज्यादा बना हुआ है। प्रदूषण से बच्चों का फेफड़ा प्रभावित हो सकता है। इसके मद्देनजर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और मैसूर इन चार शहरों में चार हजार किशोरों के फेफड़े पर प्रदूषण का दुष्प्रभाव जानने के लिए एक अध्ययन शुरू किया गया है। एम्स, आईआईटी बांबे, बेंगलुरु स्थित सेंट जॉन्स नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज के कम्युनिटी स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य संस्थान मिलकर यह अध्ययन कर रहे हैं। दुष्प्रभाव के कारण कमजोर फेफड़े से पीड़ित बच्चे किस शहर में ज्यादा हैं? साथ ही प्रदूषण के दुष्प्रभाव से क्षतिग्रस्त फेफड़े की जल्दी पहचान के लिए एक बायोमार्कर सामने आएगा। कृत्रिम बारिश के लिए उपयुक्त बादलों की मौजूदगी नहीं होने के चलते इसका परीक्षण फिलहाल नहीं हो पा रहा है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को बताया कि अभी 25 अक्तूबर तक इसकी संभावना नहीं दिख रही है। जिस दिन उपयुक्त बादल दिखेंगे, बारिश का परीक्षण होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बसेगा न्यू हाथरस, मास्टर प्लान की तैयारी तेज

नई दिल्ली, एजेंसी।
नया हाथरस यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे दोनों तरफ बसेगा। नए शहर को विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। यमुना विकास प्राधिकरण ने हाथरस अर्बन सेंटर के मास्टर प्लान के लिए जारी रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) के तहत आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर तीन नवंबर कर दिया है।

अब टेक्निकल बिड छह नवंबर को खुलेगी। चयनित कंपनी को आठ माह में प्लान तैयार करना होगा। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र छह जिलों तक फैला है। प्राधिकरण जहां मथुरा में प्रमुख तौर पर हेरीटेज सिटी विकसित कर रहा है, वहीं टप्पल में लॉजिस्टिक हब बनाने जा रहा है। आगरा में भी पर्यटन और धरोहर को तवज्जो दी गई है। अब हाथरस में नए शहर का मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। चयनित कंपनी पहले शहर की भौगोलिक स्थिति का सर्वेक्षण करेगी और उसके बाद प्लान तैयार करेगी। शुरुआती चरण में दो से चार हजार हेक्टेयर में यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ नया शहर बसाया जाएगा। यीडा के अधिसूचित क्षेत्र में हाथरस के 358 गांव शामिल हैं। नया शहर खासतौर पर डेयरी, कपड़ा और ब्रास उत्पादों का मुख्य केंद्र बनकर उभरेगा। हाथरस के सदर, सादाबाद और सासनी तहसील के गांवों में भूमि अधिग्रहीत होगी।

एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में हाथरस जिले में एमएसएमई (लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग) और कुटीर उद्योग प्रमुख हैं। जिले में लगभग 10,293 उद्योग पंजीकृत हैं। उद्योगों का अधिकतर हिस्सा क्लस्टर (समूह) के रूप में विकसित है। मास्टर प्लान 2041 (फेज-2) के तहत हाथरस में नए शहर का विकास होना है। हाथरस में अलीगढ़ और आगरा के मुकाबले बेहतर सड़क संपर्क है। नए शहर का एनएच 93 और यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए एसएच 33 से जुड़ाव है।

डॉ. शांडिल 24 अक्तूबर को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 24 अक्तूबर, 2025 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे।

डॉ. शांडिल 24 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 11.30 बजे सायरी व ममलीग में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित प्रवास के विषय में ज़िला प्रशासन के अधिकारियों व स्थानीय लोगों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

रोहित ठाकुर 27 अक्तूबर को सोलन के प्रवास पर

सोलन। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 27 अक्तूबर, 2025 को सोलन ज़िला के प्रवास पर आ रहे हैं।

रोहित ठाकुर 27 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सोलन में आयोजित होने वाली हिमाचल अंडर-19 स्कूल स्टेट माइनर गेम्स-2025 (कुराश, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो और ठोडा) के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यातिथि होंगे।

दिल्ली के पांच जिलों में बन रहे मिनी सचिवालय; एक छत के नीचे मिलेंगी सारी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने शहर के पांच जिलों में मिनी सचिवालय बनाने की रफ्तार तेज कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की इस महत्वाकांक्षी योजना का मकसद है कि दिल्लीवासियों को सरकारी सेवाओं के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। इन मिनी सचिवालयों को आईटीओ के दिल्ली सचिवालय की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जहां एक ही जगह पर सारी जरूरी सरकारी सेवाएं उपलब्ध होंगी। उत्तरी, दक्षिणी, शाहदरा, पश्चिमी और नई दिल्ली जिलों में मिनी सचिवालयों का निर्माण जोरों पर है। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया, पांच जिलों में नींव पड़ चुकी है और बाकी छह जिलों पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पश्चिमी, मध्य, उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी में जमीन तलाशने का काम तेजी से चल रहा है। पहले चरण के ये प्रोजेक्ट अगले चार से पांच महीनों में तैयार हो सकते हैं। खास बात यह है कि कांझावाला, द्वारका और साकेत में काम सबसे तेज गति से चल रहा है, जबकि शाहदरा में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के पास बन रहा सचिवालय भी जल्द पूरा होने की कतार में है। दिल्ली सरकार की इस पहल का उद्देश्य है कि आम आदमी को सरकारी कामकाज के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। हर मिनी सचिवालय में राजस्व, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण और महिला एवं बाल विकास जैसे विभागों के जिला-स्तरीय कार्यालय होंगे।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। फोनः 0112-2569000, । email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

सीपीडीएल में विश्वकर्मा दिवस पर एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने के लिए हवन और लंगर का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ (सीपीडीएल)सैक्टर 13 के उप मंडल अधिकारी नबर 8 ने विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर हवन, पूजा और लंगर का आयोजन किया. इस अवसर पर विभाग के कार्यकारी अभियंता बलबीर सिंह उप मंडल अधिकारी अमित ढींगड़ा और कर्मचारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और हवन में आहुति दी हवन पूजा के दौरान प्रसाद लंगर वितरित किया गया कार्यकारी अभियंता बलबीर सिंह ने बताया कि यह आयोजन विभाग में एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। इस अवसर पर उप मंडल अधिकारी अमित ढींगड़ा और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। भगवान विश्वकर्मा की पूजा शिल्पकारों और कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें वे अपने औजारों और मशीनरी की पूजा करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा और गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा गोवा के मुख्यमंत्री को श्री गुरु तेग़ बहादर साहिब जी के 350वें शहादत दिवस समारोहों के लिए आमंत्रण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली और प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री श्री संजीव अरोड़ा तथा कृषि और पशुपालन मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत से भेंट की और श्री गुरु तेग़ बहादर साहिब जी के 350वें शहादत दिवस के अवसर पर होने वाले आगामी समारोहों के लिए औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया।

इस बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्रियों ने नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग़ बहादर साहिब जी, जिनकी धर्म की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए निःस्वार्थ बलिदान की वजह से 'हिंद की चादर' के रूप में जाना जाता है, के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि और सम्मान व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्रियों संजीव अरोड़ा और गुरमीत सिंह खुड्डियां ने गोवा के मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र सौंपा, जिसमें पंजाब सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे व्यापक स्मृति समारोहों की श्रृंखला का उल्लेख किया गया है। ये समारोह विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे, जो गुरु जी के जीवन, शिक्षाओं और अद्वितीय बलिदान से संबंधित हैं।

कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि यह समारोह गुरु तेग़ बहादर साहिब जी के मानवता और धर्म निरपेक्षता के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करने के लिए आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी की शहादत केवल सिख इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए स्वतंत्रता, सहिष्णुता और न्याय का संदेश है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने पठानकोट के परिवार को रोमानिया से मृतक का शव घर वापिस लाने में सहायता की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने पठानकोट के एक दुखी परिवार को उनके 32 वर्षीय रिश्तेदार कुलदीप कुमार, जिनका इस महीने की शुरुआत में टिमिसोआरा, रोमानिया में निधन हो गया था, का मृतक शव भारत वापस लाने में महत्वपूर्ण मदद प्रदान की है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि पठानकोट जिले के सुजानपुर के रहने वाले कुलदीप कुमार टिमिसोआरा में एस.सी. स्टारेटो एस.आर.एल. कंपनी में कार्यरत थे। उनके परिवार को 3 अक्टूबर को उनके एक सहकर्मी श्मशेर सिंह, जो रोमानिया में भी कार्यरत हैं, द्वारा उनकी मृत्यु की जानकारी दी गई।

कुलदीप के भाई हीरा सिंह ने अधिकारियों को पत्र लिखकर मृतक शव की भारत वापसी हेतु सरकारी मदद की मांग की थी। परिवार की इस संवेदनशील अपील के बाद, पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारूचक ने यह अनुरोध मंत्री संजीव अरोड़ा को भेजा।

जिस पर मंत्री संजीव अरोड़ा ने तत्काल विदेश मंत्रालय और बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास को पत्र लिखकर मृतक शव की वापसी की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। अपने संदेश में मंत्री अरोड़ा ने कहा कि परिवार गहरे दुख में है और अंतिम संस्कार के लिए शव को भारत वापस भेजने की तत्काल आवश्यकता है।

मंत्री ने भारतीय मिशन से अपील की कि इस संवेदनशील समय में दुखी परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और नई दिल्ली स्थित रोमानिया उच्चायोग के साथ समन्वय किया जाए। उनकी अपील के बाद बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की कि वे परिवार के सदस्यों और रोमानिया अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और मृतक शव की वापसी के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। दूतावास के काउंसलर सितेश कुमार ने भरोसा दिलाया कि सभी आधिकारिक प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। 22 अक्टूबर को विदेश मंत्रालय में अधीनस्थ सचिव विभूति पांडे ने मंत्री अरोड़ा को सूचित किया कि भारतीय दूतावास ने मृतक शव की वापसी के प्रबंध के लिए एक अंतिम संस्कार एजेंसी को जिम्मेदारी सौंप दी है। थोड़ी देर बाद एजेंसी ने ईमेल के माध्यम से पुष्टि की कि उन्होंने मृतक शव को अपने कब्जे में ले लिया है और टिमिसोआरा से आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त कर लिए हैं।

प्रदेश में अब तक 61.01 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा, किसानों को 13073 करोड़ रुपए का भुगतान-मुख्य मंत्री

हिन्द जनपथ
बस्सी पठाना/मोरिंडा– प्रदेश में बाढ़ के कारण धान की फसल को हुए नुकसान के मद्देनजर मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने आज भारत सरकार से धान की खरीद के लिए निर्धारित मानदंडों में ढील देने की मांग की है।

आज बस्सी पठाना और मोरिंडा की अनाज मंडियों में धान की खरीद के चल रहे कार्यों का जायजा लेते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में भयानक बाढ़ ने किसानों का बहुत बड़ा नुकसान किया है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण किसानों को हुए नुकसान को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को धान की खरीद के लिए निर्धारित मानदंडों में ढील देनी चाहिए क्योंकि धान में नमी की मात्रा, खराब और बदरंग दानों की मात्रा बढ़ गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे इस संबंध में केंद्र सरकार से पहले ही अनुरोध कर चुके हैं कि वह प्रदेश के किसानों की इस अति आवश्यक मांग को पूरा करे क्योंकि रिपोर्टों के अनुसार बाढ़ के कारण कई प्रभावित क्षेत्रों में धान का नुकसान हुआ है और दाने बदरंग हो गए हैं।

मुख्य मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में बाढ़ के कारण हुई भारी तबाही के बावजूद पंजाब द्वारा अभी भी राष्ट्रीय अन्न भंडार में 170 लाख मीट्रिक टन धान का योगदान देने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मंडियों में व्यापक प्रबंध किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाबी किसानों की कड़ी मेहनत से पैदा हुआ एक-एक दाना खरीदा जाए। भगवंत सिंह मान ने बताया कि पंजाब सरकार ने खरीफ मंडीकरण सीजन, 2025-26 में धान की खरीद के लिए 1822 खरीद केंद्रों को अधिसूचित किया है और ये सभी मंडियां खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, पंजाब द्वारा आवंटित की गई हैं।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्य मंत्री ने बताया कि अब तक प्रदेश की मंडियों में 63.49 लाख मीट्रिक टन धान पहुंचा है, जिसमें से 61.01 लाख मीट्रिक टन पहले ही खरीदा जा चुका है। उन्होंने कहा कि खरीद के 72 घंटों के भीतर उठान को सुनिश्चित करते हुए मंडियों से 91.80 प्रतिशत उठान हो चुका है। भगवंत सिंह मान ने आगे बताया कि धान की खरीद के बदले किसानों को कुल 13073.07 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण मंडियों में खरीद कार्य बहुत ही सुचारू ढंग से चल रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि उन्हें मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों के कारण मंडियों से फसल का समयबद्ध और तुरंत उठान सुनिश्चित किया जा रहा है और इसके साथ ही किसानों को फसल की खरीद का भुगतान 24 घंटों के भीतर किया जा रहा है।

एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्य मंत्री ने गंभीर संकट की घड़ी में केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार अपनाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को अभी तक प्रधानमंत्री द्वारा बाढ़ राहत के लिए घोषित 1600 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार को प्रदेश के साथ इस दुर्व्यवहार को बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब को देश का अन्नदाता और खड्गभुजा के रूप में जाना जाता है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और बुनियादी ढांचा उनकी सरकार की पांच प्रमुख प्राथमिकताएं हैं और इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों ने हमेशा नफरत और फूट डालने के एजेंडे को बढ़ावा दिया है, लेकिन राज्य सरकार ने इन पांच क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

डी.के. तिवाड़ी ने एन.आई.सी. पंजाब के प्रशिक्षण-कार्यशाला में नवाचार-आधारित शासन के महत्व पर दिया जोर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। डिजिटल कार्यप्रणाली और प्रशासनिक उत्कृष्टता को मजबूत करने के महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.), पंजाब ने सभी एन.आई.सी. अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण-कार्यशाला का आयोजन किया, जो कर्मयोगी आई.जी.ओ.टी. सत्र के साथ संपन्न हुई। यह कार्यक्रम अधिकारियों को नई तकनीकों से लैस करने, नवाचार-आधारित शासन को प्रोत्साहित करने और पंजाब को पूर्ण रूप से डिजिटल तथा नागरिक-केंद्रित राज्य बनाने के लिए एक मजबूत प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराता है।

इस अवसर पर संबोधन करते हुए, डिपार्टमेंट ऑफ गुड गवर्नेंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री डी.के. तिवाड़ी ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में पंजाब की प्रगति पूरे भारत में शासन और सेवाओं के वितरण की दिशा में एक नया मील का पत्थर स्थापित कर रही है।

उन्होंने आई.एच.आर.एम.एस. और ई-ऑफिस जैसे प्रमुख प्रोजेक्टों के माध्यम से पूरे प्रदेश में ई-गवर्नेंस को नई दिशा देने में एन.आई.सी. पंजाब की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एन.आई.सी. पंजाब सरकार के कार्यों की डिजिटल रीढ़ बन गया है, जो प्रदेश को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाता है। डिजिटल तकनीक को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों से प्रशासनिक कार्यक्षमता को पुनर्परिभाषित करने और नागरिक पहुंच बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और स्मार्ट सिस्टम को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एन.आई.सी. लगातार प्रशासनिक दक्षता और डिजिटल पहुंच को बेहतर बनाने में योगदान दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से आधुनिक डिजिटल इंटरफेस और रीयल-टाइम सेवा प्लेटफ़ॉर्म द्वारा नागरिक और सरकार के बीच तालमेल और बेहतर हुआ है।

कांग्रेस की पंजाब में कामय कर सकती है अमन और शांति, आप ने बिगाड़ी कानून व्यवस्था : परगट सिंह

- **तरनतारण के झबाल इलाके में चुनाव दफ्तर के उदघाटन पर परगट सिंह ने किया कांग्रेस की जीत का दावा**
- **रैली के दौरान भाजपा के कई सक्रिय कार्यकर्ता कांग्रेस में हुए शामिल, परगट ने कहा- इनके आने के पार्टी को मिलेगी मजबूती**

हिन्द जनपथ
तरनतारण/अमृतसर– अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और विधायक पद्मश्री परगट सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर को कंट्रोल करने में अभी तक पूरी तरह नाकाम रही है। पंजाब में अमन शांति कायम करना उनके बस की बात नहीं रही। पंजाब को आतंकवाद से निकलाने से लेकर अमन शांति कायम करने का काम कांग्रेस पार्टी ही करने का क्षमता रखती है। उन्होंने पंजाब सरकार की नशों के खिलाफ युद्ध मुहिम को भी आंखों का धोखा बताया। कहा कि मोगा के सरकारी अस्पताल से करीब 11000 ब्रूप्रेनोर्फिन गोलियां चोरी होना इस बात की गवाही है।

तरनतारण के उपचुनाव में भी पंजाब के लोगों को ने अब ठान लिया है कि कांग्रेस उम्मीदवार करणबीर सिंह बुर्ज को जिताएगी और पंजाब में कांग्रेस को मजबूती देगी। वह तरनतारण हलके के झबाल इलाके में खोले गए कांग्रेस पार्टी के दफ्तर उद्घाटन में शामिल हुए थे। इसी दौरान पार्टी की तरफ से भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी कांग्रेस पार्टी में शामिल कराया गया। जिससे उपचुनाव में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे विधायक परगट सिंह ने कहा कि पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर के हालात कभी इतने खराब नहीं रहे हैं। तरनतारण और अमृतसर के इलाके में बीते कुछ दिनों पहले एक के बाद एक कई वारदातों को शरेआम अंजाम दिया गया। गोलियां मारकर आम लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है।

आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ से गैंगस्टरों को शह दी जा रही है। पंजाब के हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोग अब आंतकवाद के काले दौर की तुलना करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को और बिगड़ने से बचाने के लिए लोगों को आम आदमी पार्टी को सबक सिखाना चाहिए। अब मौका है कि लोग खुलकर कांग्रेस को वोट देने के लिए आगे आएं।

परगट सिंह ने कहा कि तरनतारन में कांग्रेस को लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है। वह हलके के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों से मिले। लोग अब बदलाव के नाम पर लाए आम आदमी पार्टी से लोगों का मन ऊब चुका है। तरनतारन के लोग अपनी गलती को सुधारकर कांग्रेस को जीताने का मन बना चुके हैं। लोगों का खुला समर्थन कांग्रेस उम्मीदवार की जीत की तरफ ईशारा कर रहा है।

ज्वैलरी स्टोर गोलीकांड: होशियारपुर में संक्षिप्त मुकाबले के बाद पिता-पुत्र गिरफ्तार; पिस्तौल बरामद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम में बड़ी सफलता के दौरान, गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने होशियारपुर पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में होशियारपुर के गांव बैंचा के निवासी कृष्ण गोपाल को उनके पुत्र केशव समेत होशियारपुर में ज्वैलरी स्टोर पर जानबुझकर हत्या के लिए की गई गोलाबारी, के सम्बन्ध में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने वीरवार को यहां दी।

पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से .32 कैलिबर पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए, इसके अलावा उनका मोटरसाइकिल, जिस पर वे सवार थे, को भी जब्त किया गया।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्ति होशियारपुर के गणपति ज्वैलर्स पर 18 अक्तूबर, 2025 को मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावरों द्वारा मुठभेड़ और हत्या के प्रयास में शामिल थे। उन्होंने कहा कि हमले के बाद, दुकान मालिक को एक अज्ञात विदेशी नंबर से धमकी भरी कॉल आई, जिसमें 20 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई थी।

इस संबंध में होशियारपुर पुलिस स्टेशन माहिलपुर में बीएनएस की धारा 336, 324(4) और 3(5) तथा असला एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 170 दर्ज की गई थी।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे संबंध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है।

ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए, एजीटीएफ के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) प्रमोद बान ने कहा कि ज्वैलरी की दुकान पर हमले के बाद, डीआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल और एसएसपी हुसैरपुर संदीप मलिक की निगरानी में एजीटीएफ और होशियारपुर जिला पुलिस की टीमों ने मामले की जांच की और संदिग्धों की सफल पहचान की।

तुरंत कार्रवाई करते हुए, एजीटीएफ पंजाब और होशियारपुर पुलिस की टीमों ने होशियारपुर के गांव महिदूपुर में संदिग्धों कृष्ण गोपाल और केशव को रोका। दोषियों ने मौके से भागने के प्रयास में पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की, लेकिन संक्षिप्त गोलीबारी के बाद उन्हें काबू कर लिया गया। पुलिस टीमों का नेतृत्व एसपी (जांच) परमिंदर सिंह, इंचार्ज सीआईए होशियारपुर गुरप्रीत सिंह और इंचार्ज एजीटीएफ चंदर मोहन कर रहे थे। इस संबंध में एक नया मामला एफआईआर नंबर 172 होशियारपुर पुलिस स्टेशन माहिलपुर में बीएनएस की धारा 109, 221, 132 और 3(5) तथा असला एक्ट की धारा 25 के तहत दर्ज किया गया है।

पंजाब राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त वरिष्ठ वाइस चेयरपर्सन, वाइस चेयरपर्सनऔर 10 सदस्यों ने संभाला पदभार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त वरिष्ठ वायसचेयरपर्सन, वाइस चेयरपर्सन और दस सदस्यों ने आज विधिवत रूप से अपना पदभार संभाल लिया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती राज लाली गिल ने बताया कि जिला बठिंडा की श्रीमती रुपिंदर कौर गिल ने वरिष्ठ वाइस चेयरपर्सन और अजनाला की श्रीमती गीता गिल ने वाइस चेयरपर्सन के रूप में आज अपना पदभार ग्रहण किया है।

उन्होंने बताया कि इनके साथ ही आयोग के 10 नवनियुक्त सदस्यों ने भी आज अपना पदभार संभाला। इनमें शामिल है,

जिला होशियारपुर से श्रीमती नवजोत कौर,
जिला जालंधर से श्रीमती कृष्णा देवी,
जिला बठिंडा से श्रीमती जसविंदर कौर,
जिला लुधियाना से श्रीमती अजींदरपाल कौर,
जिला मोहाली से श्रीमती स्वरनजीत कौर,
जिला बठिंडा से श्रीमती सुनीता रानी,
जिला अमृतसर से श्रीमती सुखबीर कौर,
जिला पठानकोट से श्रीमती रेखा मनी शर्मा,
जिला पटियाला से श्रीमती वीरपाल कौर चहल,
और जिला लुधियाना से श्रीमती अमृत पुरी शामिल हैं।

इस अवसर पर श्रीमती राज लाली गिल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और कल्याण सुनिश्चित करने में अपना योगदान दें।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने में सक्षम बनाएंगे — मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
मोरिंडा (रूपनगर) (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य सरकार युवाओं का भविष्य सुनहरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि हमारे युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने में सक्षम बन सकें।

मुख्यमंत्री आज यहां शहीद सूबेदार मेवा सिंह स्कूल ऑफ एमिनेंस के विद्यार्थियों से मिलने पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में शिक्षा क्रांति के एक नए युग की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह क्रांति विद्यार्थियों को भविष्य के प्रतिस्पर्धी माहौल के लिए तैयार कर रही है और उन्हें जीवन में नई ऊंचाइयां छूने योग्य बना रही है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि एक ओर जहां युवाओं को रोजगार देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर युवाओं की असीम ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हवाई अड्डों पर रनवे विमान को उड़ान भरने में मदद करते हैं, उसी तरह राज्य सरकार युवाओं को उनके सपने साकार करने में सहायता कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बच्चों को उनके सपनों को हकीकत में बदलने और जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए राज्य ने वर्ष 2022 में "शिक्षा क्रांति" की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अतीत की ओर देखते हैं तो दुख होता है कि किस तरह गलत नीतियों ने गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था।

हरजोत सिंह बैंस और दीपक बाली ने जत्थेदार ज्ञानी कुलवंत सिंह को श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी समारोह के लिए दिया आमंत्रण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली ने आज तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र) में नतमस्तक होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलवंत सिंह जी से भेंट कर उन्हें 23 से 25 नवंबर, 2025 तक श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होने वाले नौवें पातिशाह श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। इस अवसर पर तख्त साहिब के प्रबंधकों ने हरजोत सिंह बैंस को दस्तार सजाई और सिरोपा भेंट किया।

भेंटवार्ता के दौरान हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि दसमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चरण छोह पावन स्थल पर नतमस्तक होना उनके लिए अत्यंत भाग्यशाली अनुभव है। उन्होंने तख्त साहिब पर हुई अपनी दस्तारबंदी को याद किया।

बैंस ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी की लासानी शहादत से संबंधित यादगारी समारोहों का हिस्सा बनना उनके लिए आध्यात्मिक अनुभव है। उन्होंने कहा कि यह केवल आमंत्रण नहीं है, बल्कि पंजाब की पवित्र धरती की ओर से तख्त साहिब के जत्थेदार को सम्मान और ससम्मान अपील भी है।

हरजोत सिंह बैंस ने ज्ञानी कुलवंत सिंह जी को अवगत कराया कि श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित शहीदी समारोह में विश्वभर से एक करोड़ से अधिक संगत के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 19 से 30 नवंबर तक रोजाना 11,000 से अधिक संगत की ठहराई के लिए पवित्र शहर में टेंट सिटी (चक्क नानकी) स्थापित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि शहीदी समारोह 23 नवंबर को सुबह 10 बजे श्री अखंड पाठ साहिब के साथ प्रारंभ होंगे। इसके पश्चात सर्वधर्म सम्मेलन, विरासत-ए-खालसा में प्रदर्शनी, शाम 5 बजे गुरु तेग बहादर साहिब जी के जीवन और लासानी शहादत को दर्शाता अद्वितीय ड्रोन शो, और शाम 6 बजे कीर्तन दरबार का आयोजन होगा। रात में "शहादत दी लोअ" के माध्यम से पवित्र शहर मशालों की रौशनी से जगमगाएगा।

उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को नगर कीर्तन "सीस भेंट" श्री कीरतपुर साहिब से श्री आनंदपुर साहिब तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त इतिहास में पहली बार श्री आनंदपुर साहिब स्थित भाई जैता जी स्मारक में शहीदी समारोहों के लिए पंजाब विधान सभा का विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। 25 नवंबर को अखंड पाठ साहिब का भोग होगा, जिसके उपरांत प्रसिद्ध कीर्तनियों द्वारा नौवें पातिशाह के शब्दों का गायन किया जाएगा। हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को अत्यंत सम्मान और श्रद्धा के साथ मना रही है। इस अवसर पर गुरु साहिब की निस्वार्थ सेवा, धर्म की रक्षा, सच्चाई पर डटकर कायम रहना और मानव अधिकारों के लिए संघर्ष जैसे शाश्वत सिद्धांतों को प्रदर्शित किया जाएगा ।

संपादकीय

बिहार में मतदान से पहले उलझ रहे राजनीतिक समीकरण...

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं। एक तरफ जहां महागठबंधन के नेता सीटों के बंटवारे पर सहमति पर अभी सशंय बना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ एनडीए ने सीटों के बंटवारे की घोषणा तो कर दी है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल पर फंसा हुआ है। इस उलझन ने चुनाव को और भी दिलचस्प बना दिया है। चुनाव से काफी पहले से ही बिहार में दो मुख्य राजनीतिक खेमे साफ थे। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें करीब आईं, मामला पेचीदा होता चला गया। महागठबंधन के नेता, जो चुनाव से पहले एक साथ वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे थे, अब सीटों के बंटवारे पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं। दूसरी तरफ, एनडीए ने सीटों के बंटवारे की घोषणा में बाजी मार ली, लेकिन मुख्यमंत्री के सवाल पर ऐसा फंस गया कि गठबंधन की जमीनी हकीकत पर ही सवाल उठने लगे हैं। राजस्थान के पूर्व सीएम गेहलोत ने बुधवार को कहा महागठबंधन में सभी कुछ ठीक है। वहीं महागठबंधन में नेताओं के बीच चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले तो काफी मेलजोल दिखता था। लेकिन सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होते ही उनके लिए एक नतीजे पर पहुंचना मुश्किल हो गया। बार-बार सीट बंटवारे की घोषणा का समय आगे खिसकाया गया। पहले नामांकन की आखिरी तारीख बीत गई, फिर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख भी निकल गई, और सहमति बनने की उम्मीद अधूरी रह गई। कम से कम पहले चरण के चुनाव के लिए तो यही कहानी रही। चुनाव के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह सवाल दोनों ही खेमों को परेशान कर रहा है। महागठबंधन में आरजेडी की जिद के बावजूद कांग्रेस अभी तक सीएम फेस घोषित करने पर राजी नहीं हुई है। इस गठबंधन में सीपीआई (एमएल) भी एक अहम सहयोगी है।

मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्राय: घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है।

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

(नीरज कुमार दुबे)

दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, 'मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो।' वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।''

गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं।

देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं– पहला, यह कि वह 'आश्वासन' का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, 'काफी कम' तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों।

दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति 'राष्ट्रीय हित' से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में 'सुपर डीलमेकर' की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को 'एक बड़ी डील' के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है– क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है।

उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं– क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे 'फर्ज़ी या अधूरे' दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर 'नो कमेंट' नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे-धीरे 'स्वीकार्य धारणा' बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते।

अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को 'घरेलू प्रचार' का हथियार बना देता है?

देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकता– लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को 'सहभागी' की तरह प्रस्तुत करे, 'उपसंहारक' की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को 'औपचारिक संवाद' के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़-मरोड़ सकें।

इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म-केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को 'शो' में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के 'दीपावली डिप्लोमेसी' में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके 'फर्जी तेल-सत्य' के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी 'ट्रंप टेलीफोन कॉल' से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

दिल्ली में सांसों पर संकट! प्रदूषण से करें खुद का बचाव, फेफड़ों को कैसे रखें सुरक्षित

(दिव्यांशी भदौरिया)

दिल्ली में दिवाली के बाद एक्यूआई फिर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गया है, जिससे सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं और फेफड़ों पर गंभीर असर पड़ रहा है। प्रदूषण के इस स्तर में बच्चों, बुजुर्गों और फेफड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों को अधिक खतरा है, इसलिए घर में रहें, मास्क पहनें और बाहरी व्यायाम से बचें।

दिवाली के बाद से दिल्ली का एक्यूआई एक बार फिर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गया है, जिससे शहर में सांस संबंधी बीमारियों में तेजी से बढ़ती जा रही है। अभी तक एयर क्वालिटी इनडेक्स (पीएम2.5 और पीएम10) पहुंचा है। वायु की गुणवत्ता खराब होने से फेफड़ों पर असर पड़ता है और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, एलर्जिक राइनाइटिस और गले के संक्रमण को बढ़ा देता है। जिन लोगों को फेफड़ों की बीमारी उनके लिए यह प्रदूषण नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आपको बताते हैं कैसे अपनी सेहत का ध्यान रखें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

* कुछदिनों से अधिक समय तक लगातार खांसी या घरघराहट हो।
* सीने में जकड़न, सांस लेने में तकलीफ, या आराम करते समय भी सांस लेने में कठिनाई हो।
* गले में जलन या खराश, नाक बहना, या आंखों में जलन जो ठीक न हो।
* अस्थमा या सीओपीडी जैसी पहले से ही फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों को जरुरत पड़ने पर डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

खुद को सुरक्षित कैसे करें

* जब बाहर प्रदूषण ज्यादा हो तो (सुबह या देर शाम) के दौरान घर के अंदर ही रहें।
* बाहर निकलते समय मास्क पहनें।
* *घर में एयर प्यूरीफायर का प्रयोग करें और खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।
* *साइकिल चलाने या जॉगिंग जैसे बाहरी एक्सरसाइज से बचें; इसके बजाय इनडोर वर्कआउट चुनें।
* *पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, पानी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।
* *फेफड़ों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए हल्दी और तुलसी जैसे एंटीऑक्सीडेंट रिच फूड्स का सेवन करें और अपने आहार में खट्टे फल शामिल करें।

सबसे अधिक खतरा किसे हुआ

* बच्चे और बुजुर्ग- कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण उनमें संक्रमण का फैलन का खतरा ज्यादा होता है।
* *अस्थमा और सीओपीडी के मरीज- प्रदूषित हवा लक्षणों को बढ़ा सकती है या उन्हें बदतर बना सकती है।
* गर्भवती महिलाएं- प्रदूषित हवा के लगातार संपर्क में रहने से मानसिक स्वास्थ्य और भ्रूण के विकास पर असर पड़ सकता है।
* हृदय रोग या डायबिटीज से पीड़ित लोग- खराब वायु गुणवत्ता हृदय और मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है।

घर पर करें ये घरेलू उपाय

* स्टीम लें- स्टीम लेने से नाक का रास्ता साफ होने लगता है और गले की जलन कम करता है।
* गर्म नमक के पानी से गरारे करना- गले की खराश को कम करता है और कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करता है।
* अदरक या तुलसी की चाय के साथ शहद- बंद नाक से राहत और खांसी से राहत दिलाने के लिए एक प्राकृतिक कफ निचोड़ने के रूप में कार्य करता है।

वर्ग पहेली 5891

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह भारत में स्थापित होने वाला (विदेशी पूंजी के सहयोग से) पहला बैंक था (1770 में स्थापित) (8)
6. जल प्राप्ति का कृत्रिम स्त्रोत, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
7. नाम लेकर बुलाना, फरियाद करना, चनौती देना, आह्वान करना (3)
8. पहाड़ी के नीचे का मैदान, आंचल, पल्ला (3)
10. भास्कर, दिनपति, रवि, दिनकर, सूर्य (3)
12. झुकना, लज्जकना, प्रणाम करना (3)
14. सामर्थ्य, क्षमता, वश (2)
16. रघुवंश के अनुसार राजा दिलीप के पुत्र व श्रीरामचंद्र के परदादा, रघुकुल के मूल पुरूष यही थे (2)
17. साधना, तपस्या, योग्याभ्यास, अति परिश्रम (2)
18. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
19. कार्यान्विति, निर्वाहन, तामील (3)
20. ख्वाहिश, इच्छा, मांग, लालसा (3)
21. खोज करना, सर्च करना (3)

ऊपर से नीचे
1. महाजनी संस्थान (2)
2. किसी केंद्रीय कम्प्युटर से जुड़ा हुआ व उसके द्वारा नियंत्रित (5)
3. फलयुक्त होना, फल देना, फल आना (3)
4. जिसमें पूंछ लगी हो, पूंछवाला (4)
5. चक्षु, नेत्र, आंख (3)
9. विवश, लाचार, बेबस (4)
10. निर्जनता, वीराना, शून्यता (4)
11. रामायण के अनुसार समुद्र में रहने वाला एक प्रसिद्ध माता समुद्र पार करने के समय इसी ने हनुमान जी को रोका था (3)
13. अर्थ, स्वार्थ, खुदगर्जी, आशय (4)
15. राज्याभिषेक, बादशाह का गद्दी पर बैठना (4)
19. मस्तूल, मेड़, पालन करने वाला (2)

वर्ग पहेली 5890 का हल

जा	पा	न	■	मं	गो	लि	या
ति	ल	■	आ	ग	रा	■	च
प्र	■	अ	म	ला	■	पा	क
था	म	ना	■	च	■	व	■
■	■	मि	हि	र	से	न	■
इ	ला	का	■	ण	■	ता	बे
रा	ज	■	दा	■	आ	■	रू
दा	■	ना	ते	■	भा	र	त

कभी परदे पर मुस्कुराने वाले असरानीजी ने कहा था- हम लोग जिंदगी को बारीकी से देखते हैं

(लव गौर)

पहली बार युवावस्था में जब मैं मुंबई गया था, तो एक महीने तक संगीतकार नौशाद को ढूंढता रहा था। मुझे उम्मीद थी कि अभिनय का काम दिलाने में वह मेरी मदद करेंगे। जब कुछ नहीं हुआ, तो मैं अपने गृह शहर जयपुर लौट आया, जहां मेरे माता-पिता ने पारिवारिक कालीन की दुकान पर काम करने के लिए कहा। लेकिन मैं तो अभिनय करना चाहता था, इसलिए मैंने एफटीआईआई में दाखिले के लिए आवेदन किया, और उसके पहले बैच में दाखिला ले लिया। हालांकि, 1966 में मैंने एफटीआईआई का कोर्स पूरा कर लिया, लेकिन यह अभिनेता बनने का पासपोर्ट नहीं था। काम मिलना मुश्किल था। उस समय किसी को यकीन नहीं था कि आप किसी संस्थान से अभिनय सीख सकते हैं, इसलिए मैंने संस्थान में प्रशिक्षक की नौकरी कर ली। लेकिन छह साल तक, हर शुक्रवार शाम, मैं अभिनय के मौके ढूंढने के लिए पुणे से मुंबई डेक्कन क्वीन में जाता था। तब टिकट की कीमत छह रुपये और छह आने थी।

एक बार हृषिकेश मुखर्जी गुलजार साहब के साथ संस्थान में आए। मैंने उन्हें मुझे काम देने के बारे में याद दिलाया। हृषिदा ने कहा, 'देगा, काम देगा। पहले ये बताओ जया भादुड़ी कौन है?'?जया तब संस्थान में छात्रा थीं। जया ने सत्यजीत रे के साथ 'महानगर' (1963) में काम किया था। रे ने ही हृषिदा से उनकी सिफारिश की थी। जया कैंटीन में चाय पी रही थीं। जब उन्हें बताया गया कि हृषिदा उससे मिलने आए हैं, तो वह उनसे मिलने के लिए दौड़ पड़ीं।?जब हृषिदा जाने वाले थे, तो मैंने उनसे पूछा, 'दादा मेरा?' उन्होंने जवाब दिया, 'तुम्हारा कुछ नहीं। जब मैं पत्र भेजूं, तो आना!' तीन महीने बाद एक चिट्ठी आई, लेकिन वह जया भादुड़ी के लिए थी।

संस्थान में हलचल मच गई। लेकिन अंततः मुझे 'गुड्डी' में दो सीन का रोल मिल ही गया-एक ऐसे लड़के का, जो हीरो बनने आता है, लेकिन जूनियर आर्टिस्ट बन जाता है। हृषिदा ने मुझे पुणे से मुंबई तक फर्स्ट क्लास में सफर करने के पैसे भी दिए। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हृषिदा ने मुझे अपनी सभी फिल्मों में शामिल किया। उनके आखिरी दिनों में जब मैं उनसे मिलने अस्पताल गया, तो उन्होंने एक कागज पर 'असरानी मुखर्जी' लिखकर मुझे दिया। उनका मतलब था, 'तुम मेरे बेटे जैसे हो।' मेरे जीवन में सबसे बुरा दौर तब आया, जब मैंने 'चला मुरारी हीरो बनने' का निर्देशन करना चाहा। कोई भी मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था। जिन दोस्तों के साथ मैं उठता-बैठता था, वे?ही मेरी फिल्म नहीं करना चाहते थे। मैं एक सह-अभिनेता के रूप में ठीक था, निर्देशक के रूप में नहीं। वे मुझसे बचने के बहाने ढूंढते-'स्क्रिप्ट अच्छी है, लेकिन इस पर काम करो।' दरअसल, हीरो एक तरह की उलझन से ग्रस्त होते हैं कि वह तो कॉमेडियन है, उससे हुक्म क्यों लेना?

आज का राशिफल

मेष

आज आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी, जिससे आपका जीवनसाथी भी खुश नजर आएगा। नौकरीपेशा जातकों को आज अपने गुस्से पर काबू रखना होगा, नहीं तो वरिष्ठ अधिकारियों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। आज सामाजिक कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृष

आज नौकरी करने वाले जातकों को काम के प्रति सजग और सतर्क रहना होगा। अधिकारियों की ओर से बाधा और परेशानी होने की आशंका है इसलिए अपने काम के प्रति आज लापरवाही से बचे। परिवार में भाई-बहनों का स्नेह प्राप्त होगा। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन हो सकता है, जिसमें परिवार के सभी सदस्य व्यस्त नजर आएंगे।

मिथुन

आज का दिन शुभ और लाभदायक रहेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन अपेक्षा से बढ़कर लाभ दिलाने वाला रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को आज प्रमोशन मिलने के आसार हैं, इसलिए अधिकारियों के साथ व्यवहार कुशलता से का लें। परिवार में आज कुछ वाद-विवाद हो सकता है लेकिन परेशान न हों।

कर्क

आज परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। व्यापार में आज कोई शुभ काम होगा। काम की वजह से भागदौड़ ज्यादा रहेगी। नौकरी से जुड़े लोगों के लिए आज कार्यक्षेत्र में अच्छा माहौल रहेगा। व्यस्तता के बीच आप अपने जीवन के लिए समय निकाल पाएंगे। अगर आप कोई निवेश करना चाहते हैं तो उसके लिए दिन अच्छा रहेगा। पुराने निवेश भी आपको आज लाभ दिलाएंगे।

सिंह

आज का दिन आपके लिए उलझन भरा रह सकता है। आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से तीसरे भाव में होगा। छात्रो को शिक्षा पर ध्यान देना होगा। आज भाई बहनों के बीच चल रही समस्याओं का समाधान हो सकता है। अपनी आर्थिक स्थिति पर नजर बनाए रखें, उसके बाद ही ख़र्च करने के बारे में सोचें।

कन्या

आज का दिन ग्रहों के गोचर से मिलाजुला रहेगा। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा, जिससे लोग आपसे दोस्ती करने की भी कोशिश करेंगे। आपको आज पड़ोसियों से सहयोग मिलेगा। अगर आप किसी संपत्ति में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो उसके चल और अचल पहलुओं को ध्यान से समझ लें अन्यथा बाद में परेशानी हो सकती है।

तुला

आज आपकी राशि में चंद्रमा का गोचर हो रहा है। ऐसे में संतान से संबंधित किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है तो वह आज वह समाप्त हो जाएगा। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति आज सजग रहना होगा नहीं तो परेशानी होगी। सितारे कहते कि आज कोई पुरानी बीमारी आपको परेशान कर सकती है। छात्रों को प्रतियोगिता में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। आपको आज किसी मित्र या सगे संबधी से मिलने का मौका मिलेगा।

धनु

आज कारोबार व्यापार में खूब लाभ मिलेगा। लेकिन आपको आज विरोधियों से सतर्क रहना होगा। आपके कुछ विरोधी आज आपका काम बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। अगर आप पार्टनरशिप में व्यापार करने की सोच रहे हैं तो उसके लिए दिन उत्तम है। आज आप अपनी लव लाइफ के लिए समय निकालेंगे और प्रेम को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं।

कुंभ

आज स्थिति सामान्य रहेगी। लव लाइफ मे आज मधुरता बनी रहेगी। आप अपने जीवनसाथी को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं। विद्यार्थियों को आज कुछ नया सीखने और जानने का अवसर मिलेगा। अगर आप कहीं पार्ट टाइम काम करने की सोच रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिलेगी। आय के कुछ नए स्रोत मिलने की आपको खुशी हो सकती है।

वृश्चिक

आज आपको ससुराल पक्ष से सहयोग मिल रहा है। जो लोग रोजगार के क्षेत्र में हैं उन्हें भी सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों के कारण आपके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज कार्यक्षेत्र में कुछ विशेष करने की भागदौड़ में समय व्यतीत होगा। अधिकारी वर्ग से आपका मेलजोल अच्छा रहेगा। सरकारी योजना का लाभ भी आपको आज मिल सकता है।

मकर

आज आपको अपनी निर्णय क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सभी कार्यों को समय पर पूरा कर पाने में सफलता मिलेगी। अधिकारियों के साथ आज किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। विदेश में काम करने की इच्छा रखने वाले जातकों को आज विदेश जाने का अवसर मिल सकता है।

मीन

आज शिक्षा प्रतियोगिता में कामयाबी मिलेगी। राजनीति के क्षेत्र में आज आप हावी रहेंगे, लेकिन शत्रु प्रबल रहेंगे। किसी महिला मित्र से मुलाकात आज अच्छी रहेगी, जो आपके अधूरे काम को पूरा करने में मदद करेगी। आपको आज किसी धार्मिक काम में भाग लेने का मौका मिलेगा। आज यात्रा का भी संयोग बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के दाम में आज आग लगी है। हालांकि, भारत के लिए राहत की बात ये है कि पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्लूमबर्ग

के मुताबिक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.76 प्रतिशत उछलकर 64.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अभी कुछ दिन पहले यह 60.91 डॉलर प्रति बैरल पर था। दूसरी ओर, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट फ्यूचर्स भी चंद दिन पहले 57.46 डॉलर पर था और आज 1.65 प्रतिशत की उछाल के साथ 60.15 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कच्चे तेल के रेट में इस उछाल के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट कर दी हैं। आज दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 प्रति लीटर बिक रहा है। बता दें मार्च 2024 में पेट्रोल-डीजल के दाम 2 प्रति लीटर घटाए गए थे।

जुलाई में भारी निवेश और सितंबर में भारी निकासी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिक्स्ड इनकम यानी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं से सितंबर महीने में 1.02 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। बड़े संस्थागत निवेशकों की

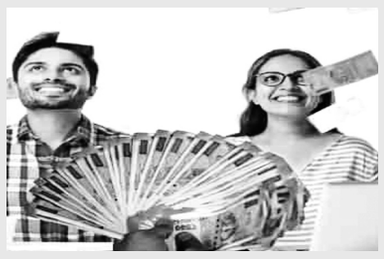

निकासी इसकी प्रमुख वजह रही। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की संस्था एम्फी की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। अगस्त में इन फंड योजनाओं से 7,980 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी जबकि जुलाई में 1.07 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने ऋण या बॉन्ड में निवेश करने वाली 16 में से 12 एमएफ श्रेणियों में शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इनमें लिक्विड फंड योजनाओं से 66,042 करोड़ रुपये, मनी मार्केट फंड से 17,900 करोड़ रुपये और बेहद कम अवधि वाले फंड से 13,606 करोड़ रुपये की निकासी शामिल है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में विश्लेषक नेहाल मेश्राम ने कहा कि यह निकासी मुख्यतः सितंबर तिमाही के अंत की नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा है

बड़े पैमाने पर निकासी

बड़े पैमाने पर निकासी होने से ऋण आधारित फंड योजनाओं की प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां सितंबर अंत तक घटकर 17.8 लाख करोड़ रुपये रह गईं, जो अगस्त में 18.71 लाख करोड़ रुपये थीं। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में सितंबर महीने के दौरान 30,421 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ।

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

नीतिगत समर्थन जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।

स्टील अंडर सीज

अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

रक्षोपाय शुल्क से लगा अंकुश- भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था। 45 प्रतिशत इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कईदेशों से भारत आयात करता है।

2024-25 में तेजी से बढ़ा आयात

भारत करीब 45 फीसदी इस्पात का आयात करता है इसमें दक्षिण कोरिया की हिस्सेदारी 14.6 फीसदी और चीन की 9.8 फीसदी है इसके अलावा, भारत अमेरिका से 7.8 फीसदी, जापान से 7.1 फीसदी और ब्रिटेन से 6.2 फीसदी इस्पात आयात करता है। लेख में कहा गया है कि 2022 से घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि दर्ज की गईहै। इसके अलावा, अप्रैल, 2022 से नवंबर, 2024 तक भारत की इस्पात खपत औसतन 12.9 फीसदी (मासिक वृद्धि दर का औसत) की रफ्तार से बढ़ी है। यह लेख अप्रैल, 2013 से मार्च, 2025 तक के मासिक आंकड़ों पर आधारित है। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और ये आरबीआई को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

निर्यातक देशों की मूल्य तय करने की नीतियां चिंताजनक- आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग के अधिकारी अनिर्बन सान्याल और संजय सिंह ने लेख में कहा, बढ़ते आयात और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं

मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक का वर्चस्व, अब पूरे साल खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है।लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

सुझाव...विभिन्न ब्रांड भी घटा सकते हैं निर्भरता

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न ब्रांड को त्योहारी सीजन पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही जैसे सुस्त बिक्री समय में विशेष उत्पादों की पेशकश या प्रचार अभियान शुरू करने पर ध्यान देना चाहिए। भविष्य में ये कंपनियां होंगी सबसे आगे...रेडसीर ने रिपोर्ट में कहा, दौर बदलने के साथ भारत में ऑनलाइन खुदरा कारोबार धीरे-धीरे त्योहारों के समय की चरम स्थिति से बाहर निकल रहा है। भविष्य में वही कंपनियां बाजार की अग्रणी होंगी, जो न सिर्फ त्योहारी उच्च मांग को कुशलता से संभालने में सक्षम होंगी, बल्कि सुस्त महीनों में भी मांग पैदा कर सकेंगी।

इन वस्तुओं की बिक्री पर त्योहारी असर नहीं

राशन के सामान, सौंदर्य उत्पाद और व्यक्तिगत देखभाल वाली श्रेणियों को ऑनलाइन बिक्री के लिहाज से सबसे स्थिर बताया गया है, क्योंकि इनमें सालभर मांग लगभग समान रहती है। यह कम मूल्य वाले और बार-बार खरीदे जाने वाले उत्पादों की विशेषता है। घरेलू साज-सज्जा एवं फर्नीचर के साथ फैशन श्रेणियां मध्यम मौसमी प्रवृत्ति दिखाती हैं। इनमें त्योहारी महीनों में उछाल तो आता है, पर उतार-चढ़ाव उतना अधिक नहीं होता है।

छोटे शहरों ने ऑनलाइन खरीदारी का तोड़ा रिकॉर्ड- त्योहारी सीजन की ऑनलाइन खरीदारी अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब छोटे शहरों के लोग भी जमकर ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं।दिवाली पर टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्डतोड़ ऑनलाइन खरीदारी की है। लॉजिस्टिक्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म क्विकपोस्ट की ओर से किए गए 4.25 करोड़ से ज्यादा शिपमेंट के विश्लेषण से यह साफ हुआ कि अब गैर-मेट्रो शहर ई-कॉमर्स की नई रीढ़ बन चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर कुल ऑर्डर का 50.7 फीसदी सिर्फ टियर-3 शहरों से आया, जबकि टियर-2 शहरों का योगदान 24.8 फीसदी रहा। यानी देश के कुल ऑनलाइन ऑर्डर वॉल्यूम में छोटे शहरों का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा।

ऑर्डर मूल्य में भी इजाफा

इस साल त्योहारों के दौरान औसत ऑर्डर मूल्य बढ़कर 4,346 रुपये पहुंच गया, जो 2024 में 3,281 रुपये था।यानी छोटे शहरों से किए गए ऑर्डर में 32.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह दिखाता है कि ग्राहक अब न सिर्फ ज्यादा, बल्कि महंगी-प्रीमियम चीजें भी खरीद रहे हैं।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा का बड़ा फैसला, आई में 600 नौकरियां हुई खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग में 600 नौकरियां खत्म का फैसला किया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम कंपनी के कामकाज को दुरुस्त करने के लिए उठाया गया है। कंपनी ने पहले बहुत अधिक तेजी से नौकरियां बढ़ाई थीं।

किस पर असर नहीं होगा- यह नौकरी कटौती मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा स्थापितटीबीडी लैब नामक विशेष प्रोजेक्ट को प्रभावित नहीं करेगी। इस लैब में ओपनएआई और एप्पल जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के टॉप शोधकर्ताओं को बहुत ऊँचे वेतन पर लाकर टीम बनाई गई है।

कहां होगी कटौती- यह नौकरी कटौती आई से जुड़े प्रोडक्ट्स पर उनकी बेसिक स्ट्रक्चर पर काम करने वाली टीमों पर केंद्रित होगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, इसका उद्देश्य कंपनी की कार्यक्षमता बढ़ाना है, साथ ही कंपनी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के काम को प्रभावित नहीं होने देना है।

चार प्रतिशत चढ़ा इंफोसिस का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड के शेयरों में आज गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे की वजह एक खबर को माना जा रहा है। इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में बताया है कि प्रमोटर्स बायबैक में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएसई में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 1515 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 4.20 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1535.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था।

सुधा मूर्ति और नंदन निलेकणी ने बनाई दूरी- 22 अक्टूबर को इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में कहा था कि कंपनी के प्रमोटर्स नंदन निलेकणी, सुधा मूर्ति और अन्य 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का हिस्सा नहीं होंगे। बता दें, प्रमोटर्स का बायबैक में हिस्सा ना लेना कंपनी के आत्मविश्वास को दर्शाता है। वहीं, रिटेल निवेशक भी बायबैक में अपनी स्थिति बेहतर कर सकते हैं।

18000 करोड़ रुपये का बायबैक- इंफोसिस ने 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का ऐलान किया है। कंपनी 10 करोड़ शेयरों को वापस खरीद रही है। इसके लिए कंपनी ने 1800 रुपये प्रति शेयर कीमत तय की है। जोकि बुधवार की क्लोजिंग की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। बता दें, अभी तक इंफोसिस ने बायबैक का रेशियो, रिकॉर्ड डेट और अन्य तारीखों का ऐलान नहीं किया है।

खाद्य तेल उद्योग पर सरकार की नजर

अब कंपनियों को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम क्षेत्र खाद्य तेल उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार एक्शन मोड में है। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह नए नियामकीय आदेशों के अनुपालन की जांच के लिए देशभर में निरीक्षण अभियान शुरू करेगी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये निरीक्षण जांच हाल ही में संशोधित एक आदेश के तहत की जाएंगी, जिसमें खाद्य तेल बनाने, प्रसंस्करण करने और बेचने वाली सभी इकाइयों को रजिस्ट्रेशन कराना और हर महीने उत्पादन का ब्योरा देना अनिवार्य किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई के लिए है। इसका उद्देश्य अनुपालन की गंभीरता को सुदृढ़ करना और खाद्य तेल क्षेत्र के राष्ट्रीय डेटा तंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखना है।

1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत खाद्य तेल की अपनी घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात पर बहुत निर्भर है। देश हर साल 1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात करता है, जिनमें प्रमुख रूप से इंडोनेशिया एवं मलेशिया से पाम तेल और अर्जेंटीना एवं ब्राजील से सोया तेल मंगाया जाता है।

कहां कराना होगा रजिस्ट्रेशन

संशोधित 'वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन एवं उपलब्धता (नियमन) आदेश, 2025' के तहत खाद्य तेल कंपनियों को नेशनल सिंगल विंडो व्यवस्था पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और उन्हें एडिबलऑयलइंडिया.इन के पोर्टल पर मासिक रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इन प्रावधानों का पालन नहीं करने वाली खाद्य तेल कंपनियों के खिलाफ संशोधित आदेश और सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में खाद्य तेल इकाइयों ने पहले ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा लिया है जिससे यह संकेत मिलता है कि उद्योग इस नियामकीय बदलाव में सहयोग कर रहा है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था खाद्य तेल क्षेत्र में वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करेगी और नीतिगत हस्तक्षेप की क्षमता को बेहतर बनाएगी। मंत्रालय ने इसे भारत की खाद्य सुरक्षा अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उधार के 100 से करोड़ों की मालकिन!

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के मलप्पुरम की शरीफा कलथिंगल ने व्यावसायिक सफलता की अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने 100 रुपये उधार लेकर अपने काम की शुरुआत की थी। आज वह तीन होटलों की मालकिन हैं। ये तीनों कोट्टक्कल में हैं। 2000 के दशक के अंत में जब उनके परिवार के पास चावल का दलिया खरीदने तक के पैसे नहीं थे, तब शरीफा ने उन्नियप्पम (चावल के आटे की बनी मिठाई) बनाकर स्थानीय दुकानों पर बेचना शुरू

किया था। अपनी एक साल की बेटी को गोद में उठाकर चार किलोमीटर पैदल चलने से लेकर अब करोड़ों की संपत्ति की मालकिन बनने तक शरीफा ने गरीबी और असफलता दोनों को चुनौती दी। आज वह 40 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार देकर ऐसी रोल मॉडल बन गई हैं, जिनकी कामयाबी का आधार सिर्फ कड़ी मेहनत है। आइए, यहां शरीफा कलथिंगल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

गरीबी का फंदा तोड़ने का किया फैसला - शरीफा कलथिंगल का सफर गरीबी और अभाव से शुरू हुआ। उनके पति सक्कीर एक पेंटर थे। मॉनसून के महीनों में उन्हें अक्सर चावल का दलिया भी नसीब नहीं होता था।

बैंकों ने कर्ज देने से कर दिया मना

लगातार छोटी सफलता के बाद शरीफा ने एक छोटा कैटरिंग व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंकों से कर्ज लेने की कोशिश की। लेकिन, कोलेट्रल (गिरवी रखने के लिए संपत्ति) न होने के कारण सभी बैंकों ने उन्हें मना कर दिया। ताने अलग से दिए। इस अस्वीकृति से निराश न होकर उन्होंने केरल सरकार के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम कुटुम्बश्री से जुड़ने का फैसला किया। 2018 में कुटुम्बश्री से 2 लाख रुपये का कर्ज लेकर उन्होंने अपने बेटे मुथु के नाम पर मुथु कैटरिंग को लॉन्च किया। व्यवसाय तेजी से बढ़ा और उन्होंने बिरयानी, पाथरी (रोटी जैसा चावल से बना व्यंजन) और चपाती की सप्लाई शुरू कर दी।

रॉकेट की स्पीड से बढ़ा कारोबार

जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी 2020 में कोरोना महामारी ने उनके व्यवसाय को बुरी तरह प्रभावित किया। सभी ऑर्डर रुक गए। इस संकट के समय कुटुम्बश्री ने शरीफा को मंजेरी मेडिकल कॉलेज में कोरोना मरीजों के लिए भोजन (नाश्ता और चावल का दलिया) सप्लाई करने का मौका दिया। उन्होंने इस मौके को लपक लिया। लगभग 2,000 मरीजों के लिए भोजन पहुंचाना शुरू किया। इसके लिए उन्होंने 10-15 महिलाओं को काम पर रखा। महामारी के थमने के बाद उन्हें कोट्टक्कल आयुर्वेद कॉलेज की कैंटीन चलाने का काम मिला। इस सफलता के बाद उन्होंने कोट्टक्कल में एक होटल खरीदकर अपने व्यवसाय को विस्तार दिया।

छोटे दुकानदार ग्राहकों को नहीं दे रहे जीएसटी सुधार का पूरा लाभ- नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी की दरों में कटौती के लागू होने के लगभग एक महीने बाद भी उपभोक्ताओं को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। कुछ सामान छोटी दुकानोंमें पुरानी कीमतों पर बेचे जा रहे हैं। अधिकारियों ने पाया है कि विक्रेता अपना पुराना माल कम कीमत पर बेचने के बजाय पुराने प्रिंट रेट पर बेच रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन विक्रेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, क्योंकि वे जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी -13/2025-26 दिनांक 13.10.2025

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए 15:00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (₹)	बोली प्रतिभूति (₹)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1	30-विधुत-15/2025-26 (ओपन टेंडर)	रेल विहार (आर.वी.), अंबाला, सहारनपुर, चंडीगढ़, कालका, शिमला. सरहिंद, नंगलडैम. धुरी पावर डिपो के अंतर्गत फिटिंग के नए पैमाने के अनुसार "कब्जे वाले स्टाफ क्वार्टरों" की बिजली की तारों का उन्नयन, संलग्न अनुलग्नक-1 के अनुसार	रु. 24942747.59	रु. 274700.00	04 महीने	04.11.2025
2	30-विधुत-16/2025-26 (ओपन टेंडर)	अंबाला मंडल में पुराने और दोषपूर्ण एलटी पैनलों, सेवा भवनों, स्टेशनों और कॉलोनियों के फीडर स्तंभों के प्रतिस्थापन के साथ विद्युत आपूर्ति वितरण प्रणाली का विस्तार	रु. 19824971.38	रु. 249100.00	04 महीने	04.11.2025
3	30-विधुत-17/2025-26 (ओपन टेंडर)	संलग्न विवरण के अनुसार सहारनपुर और बठिंडा में पुराने ओवर-हेड कंडक्टरों के स्थान पर कॉलोनियों में एबीसी केबल और संबद्ध कार्यों का प्रावधान।	रु. 14580211.22	रु. 222900.00	03 महीने	04.11.2025
4	30-विधुत-18/2025-26 (ओपन टेंडर)	अंबाला डिवीजन में प्री-कूलिंग, बैटरी चार्जिंग सुविधा का विस्तार।	रु. 12945421.24	रु. 214700.00	03 महीने	04.11.2025

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN/TIN/GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2) आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के 15:00 बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3) कार्य निविदाओं की ई-निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चहिए। 4) विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। 5) जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा। 3280/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है। सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। रोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।

इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं।

हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है अजवाइन

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं ।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है सर्वाइकल कैंसर

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्युमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है । एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं, लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है। इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

बार-बार गला खराब होने से हैं परेशान?

अपनाएं ये 5 आयुर्वेदिक उपाय

गला खराब होना एक आम समस्या है, खासकर मौसम बदलने पर या ठंडी-गर्म चीजें खाने से। बार-बार गले में खराश, दर्द, खिचखिच या जलन होना हमारी प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने और गले की नमी कम होने का संकेत है। आयुर्वेद में इसके कई सरल और असरदार उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप तुरंत आराम पा सकते हैं।

गला खराब होने के कारण

- बार-बार ठंडी चीजें खाना
- ज्यादा मसालेदार और तैलीय भोजन
- धूल, प्रदूषण और धुआं
- अधिक बोलना या जोर से चिल्लाना
- पाचन तंत्र की कमजोरी

आयुर्वेदिक उपाय जो देंगे तुरंत राहत

- **गर्म पानी और नमक से गरारे**

आयुर्वेद के अनुसार, गले की खराश और सूजन कम करने के लिए नमक मिले गुनगुने पानी से गरारे करना सबसे आसान और असरदार उपाय है।

- **हल्दी वाला दूध**

सोने से पहले हल्दी मिलाकर गर्म दूध पीना गले की सूजन कम करता है और बैक्टीरिया को नष्ट करता है।

- **शहद और अदरक का सेवन**

शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण और अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। दोनों को मिलाकर खाने से गले में तुरंत आराम मिलता है।

- **मुलेठी का सेवन**

मुलेठी गले की खराश और खिचखिच के लिए रामबाण मानी जाती है। इसे चबाने या पानी में उबालकर पीने से गला तुरंत साफ होता है।

- **तुलसी और काली मिर्च की चाय**

तुलसी की पत्तियां, काली मिर्च और अदरक डालकर बनाई गई चाय गले की खराश और खांसी में बेहद लाभकारी है।

बचाव के लिए जरूरी टिप्स

- ठंडी और फ्रिज की चीजों से बचें।
- धूल और प्रदूषण से बचने के लिए मास्क पहनें।
- ज्यादा बोलने से परहेज करें।
- दिनभर गुनगुना पानी पिएं।

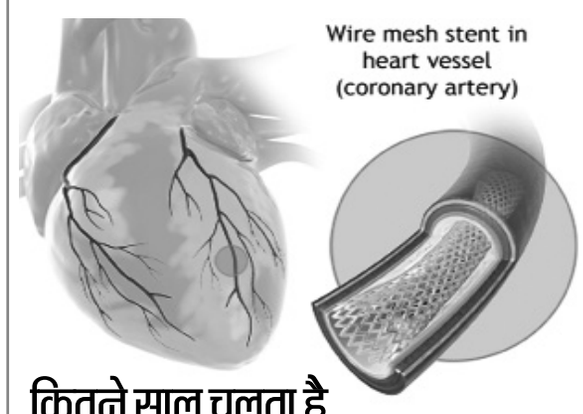

कितने साल चलता है

हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से हृदय में पहुंच सके। इसका उपयोग हृदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है।

अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए।

इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

ममायरबेकोव को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने

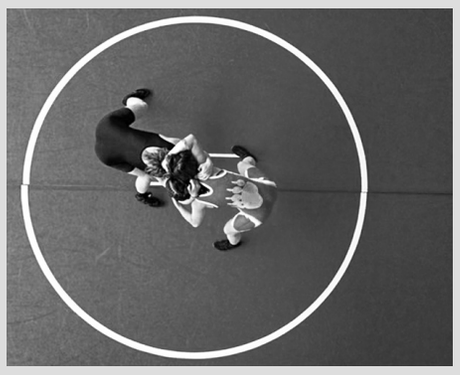

नाम किया। विश्वजीत ने कजाकिस्तान के येरासिल ममायरबेकोव को 5-4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

तीन महिला पहलवानों को मिली हार

भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने-अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4-6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3-9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया।

विराट कोहली ने एडिलेड में दिए संन्यास के संकेत

- शून्य पर आउट होने के बाद किया ऐसा; फैंस मायूस

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान का शेर, जिसने सालों तक इस खेल पर राज किया. वो विराट कोहली अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसा हम नहीं बल्कि क्रिकेट का हर दिग्गज बोल रहा है. हालांकि विराट की फिटनेस शानदार है, लेकिन माना जा रहा है कि वह वनडे से भी जल्द रिटायरमेंट ले

लेंगे. कोहली पर्थ में शून्य पर आउट हुए थे, एडिलेड में भी वही हुआ. कोहली खाता नहीं खोल पाए, लेकिन यहां ग्राउंड से पवेलियन लौटते हुए उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है. विराट कोहली 7वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब कप्तान शुभमन गिल के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा था. कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी क्योंकि इस मैदान पर वह इससे पहले खेली 4 पारियों में 2 बार शतक जड़ चुके थे. लेकिन आज वह खाता भी नहीं खोल पाए, जेवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में गिल और कोहली को आउट किया.

विराट कोहली ने किया गुड बाय!

जब विराट कोहली एडिलेड में शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तब फैंस खड़े हो गए तो विराट कोहली ने हाथ उठाकर गुड बाय जैसा इशारा किया. उन्होंने फैंस से शुक्रिया कहा, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी लगातार वायरल हो रहा है. फैंस चिंतित हैं कि कहीं कोहली अब संन्यास का एलान न कर दें. इस दौरान क्रिकेट कमेंटरी में कहा जा रहा था कि हो सकता है वह एडिलेड फैंस का शुक्रिया इसलिए कर रहे थे कि वह अब इस मैदान पर कभी नहीं खेलेंगे, जो उनके पसंदीदा ग्राउंड में से एक है.

महिला प्रीमियर लीग

नीलामी की तारीख आई सामने

नम्बर में दिल्ली में इस दिन होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी नई दिल्ली में होगी। फ्रेंचाइजियों को अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में अनौपचारिक रूप से बता दिया गया है। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन अब इसकी समय सीमा 26-27 नवंबर कर दी गई है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। सैद्धांतिक रूप से एक बड़ा आयोजन होने के बावजूद नीलामी एक ही दिन में पूरी होने की उम्मीद है।

डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज़्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है।

फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी 5 खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपए, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपए, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपए, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपए और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपए का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपए है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। डब्ल्यूपीएल ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि सुझाए गए मूल्य से भिन्न हो सकती है। डब्ल्यूपीएल ने हाल ही में फ्रेंचाइजियों को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से भिन्न हो सकती है, लेकिन रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपए है और प्रत्येक टीम अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा एक फ्रेंचाइजी अधिकतम तीन कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिकतम दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच का इस्तेमाल कर सकती है।

फ्रेंच ओपन 2025

इंडोनेशिया की जोड़ी से हारने के बाद सात्विक-चिराग फ्रेंच ओपन से बाहर, उन्नति हुड्डा जीतीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ हार के बाद बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी बुधवार को इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ राउंड ऑफ 32 पुरुष युगल मैच में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने यह मुकाबला 18-21, 20-22 से गंवाया।

उन्नति हुड्डा जीतीं- उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन आयुष शेट्टी पुरुष एकल में जापान के कोकी वातानबे से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए।

उन्नति ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में मलेशिया की लेत्शाना करुपथेवन को 11-21, 21-13, 21-16 से हराया लेकिन इससे पहले आयुष को जापान के अनुभवी खिलाड़ी वातानबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 19-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के पहले दौर में चीन की हान यू के खिलाफ 15-21, 11-21 से हार गई जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एश्ले गार्डनर ने महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया

इंदौर, एजेंसी। बुधवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का 23वां मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने 104 रन की नाबाद यादगार पारी खेली। गार्डनर का ये शतक महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एश्ले गार्डनर ने 69 गेंद पर शतक लगाया। महिला वनडे विश्व कप इतिहास का ये सबसे तेज शतक है। इससे पहले का रिकॉर्ड डेंड्रा डॉटिन के नाम था। डॉटिन ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद पर शतक लगाया था। इसी विश्व कप में एलिसा हिली ने बांग्लादेश के खिलाफ 73 और एश्ले गार्डनर ने 77 गेंद पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। इंग्लैंड की मौजूदा कप्तान नेट सेवियर ब्रंट ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 76 गेंद पर शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 73 गेंद पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। गार्डनर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई थीं। छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है। गार्डनर ने छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 3 शतक लगाए हैं।

मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंद पर 1 छक्का और 10 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली थी। एलिस कैप्से ने 38 और चार्लोट डीन ने 26 रन बनाए थे। 245 के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 68 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

- नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस

त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) : भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं। हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया। रोहित ने

अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया। आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

चैंपियंस लीग

रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1-0 से हराकर चैंपियंस लीग अभियान में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। इस टीम ने तीन मुकाबलों में नौ अंक हासिल कर लिए हैं।मुकाबले के पहले हाफ में मैड्रिड ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। मैड्रिड को सबसे शानदार मौका हाफ-टाइम के दौरान मिला। किलियन एम्बाप्पे ने ब्राहिम के प्रभावशाली पास को अपने पास लिया और बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक शक्तिशाली ड्राइव लगाई, लेकिन डि ग्रेगोरियो के शानदार रिएक्शन स्टॉप ने 40वें मिनट में फ्रांसीसी खिलाड़ी को गोल करने से रोक दिया। ब्रेक के बाद गतिरोध तोड़ते हुए

जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को 1-0 से बढ़त दिला दी। एक अन्य मैच में लिवरपूल ने पहले हाफ के 10 मिनट में तीन गोल दागकर फ्रैंकफर्ट पर 5-1 से जीत दर्ज की। रेड्स ने ड्यूश बैंक पार्क में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा और इस सीजन के लीग चरण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। रासमस क्रिस्टेंसन ने 26वें मिनट में मुकाबले का पहला गोल दागा, जिसके बाद ह्यूगो एकिटिके ने शानदार गोल के साथ स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39) और इब्राहिमा कोनाटे (44) ने पहले हाफ में कॉर्नर से गोल करके मैच का रुख पलट दिया। लिवरपूल इस मैच में 3-1 से आगे थी। दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70) के गोलों ने आर्ने स्लॉट की टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, चेल्सी ने अजाक्स को 5-1 से शिकस्त दी। 18वें मिनट मार्क गुइयू ने गोल दागकर मैच का खाता खोला। इसके बाद मोइसेस कैसेडो 27वें मिनट गोल किया। 33वें मिनट बाद अजाक्स के वाउट वेघोर्स्ट ने पेनाल्टी स्पॉट से गोल करते हुए चेल्सी की बढ़त को कम कर दिया, लेकिन हाफ-टाइम से ठीक पहले चेल्सी 4-1 से आगे थी।

न्यूज डायरी

खरीफ खरीद सीजन में अब तक 9029.39 करोड़ रुपये की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 9029.39 करोड़ रुपये की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है।

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए सभी निर्धारित अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है।

उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाउस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 2,52,693 किसानों से धान की खरीद की गई है।

प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 49,94,349 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 40,22,926 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है।

सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार - बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं।

राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेज़ी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 रुपये प्रति क्विंटल में कोई कटौती नहीं की गई है।

सरकारी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सा उपकरणों की कमी नहीं रहने देंगे : स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की कोई कमी न रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आवश्यकता के अनुसार नए उपकरणों और आधुनिक मशीनों की खरीद की जा रही है तथा उन्हें समय-समय पर संस्थानों में भेजा जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के छह जिलों—पंचकूला, नारनौल, पानीपत, रेवाड़ी, सोनीपत और गुरुग्राम—के सरकारी अस्पतालों में नई अल्ट्रासाउंड मशीनें भेजी गई हैं। इन मशीनों के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही मरीजों की जांच शुरू कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (HMSCL) के माध्यम से हाल ही में अनेक आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की खरीद के लिए दरें (रेट) तय की गई थीं। अब उन्हीं के तहत राज्य के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की आपूर्ति आरंभ कर दी गई है।

आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी स्तरों पर आवश्यक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनों के आने से जांच प्रक्रिया और अधिक सटीक एवं तेज़ होगी, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना (infrastructure) को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में अन्य जिलों के अस्पतालों में भी नई मशीनें भेजी जाएंगी, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को समान स्तर की चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

एमसीएम के उभरते मीडिया प्रोफेशनल्स ने प्रिंट मीडिया संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के जनसंचार विभाग ने विद्यार्थियों के लिए चंडीगढ़ के प्रिंट मीडिया कार्यालय का ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। इस भ्रमण ने विद्यार्थियों को देश के प्रमुख समाचार पत्र की कार्यप्रणाली को नज़दीक से देखने और प्रिंट पत्रकारिता की वास्तविक दुनिया का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और वास्तविक मीडिया कार्यप्रणालियों के बीच की खाई को पाटना था। विद्यार्थियों ने समाचार संकलन, संपादन, लेआउट डिज़ाइन, मुद्रण और वितरण तक समाचार पत्र निर्माण की विभिन्न चरणों को देखा। उन्होंने पत्रकारों के साथ संवाद भी किया, जिन्होंने न्यूज़रूम की नीतियों, संपादकीय निर्णय प्रक्रिया तथा तेज़ी से बदलते मीडिया परिदृश्य में विश्वसनीयता बनाए रखने की चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अनुभवात्मक शिक्षण अवसर विद्यार्थियों को उद्योग जगत से संबंधित ज्ञान और व्यावसायिक कौशल प्रदान करते हैं, जो मीडिया क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण नवोदित पत्रकारों में आलोचनात्मक चिंतन और व्यावसायिक तत्परता का विकास करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कर रही है निरंतर किसान हित के कार्य : मुख्यमंत्री

गन्ना का एमएसपी बढ़ाने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। चाहे किसानों के गन्ने का एमएसपी बढ़ाने की बात हो या धान एवं गेहूं आदि फसलों की एमएसपी पर खरीद हो, हर कदम किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आज अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में किसानों से बात कर रहे थे। आज कुरुक्षेत्र, यमुनानगर समेत कई क्षेत्रों से अनेक किसान दीपावली के अवसर पर गन्ने का एमएसपी बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे।

गन्ने का एमएसपी बढ़ाने से गदगद हुए किसानों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उनके माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि दीपावली के अवसर पर बिना मांगे एमएसपी बढ़ाना किसानों के लिए सबसे बड़ा तोहफ़ा है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने अगेती किस्म के गन्ने का रेट 400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल तथा पछेती किस्म का रेट 393 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल करके किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि गन्ने के समर्थन मूल्य में की गई बढ़ोतरी किसानों की मेहनत और समर्पण को सम्मान देने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह निर्णय न केवल किसानों के हित में है बल्कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। गन्ना किसानों को देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य देकर हम उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। यही नहीं, 48 घंटे के अंदर किसानों को उनकी फसलों का भुगतान कर दिया जाता है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल की मदद से पिछले 11 सीज़न में डीबीटी के माध्यम से 12 लाख किसानों के खातों में एक लाख 58 हजार करोड़ रूपये की फसल खरीद की राशि डाली गई है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला राज्य है जिसने भावान्तर भरपाई योजना अपनाई है। इस योजना के अंतर्गत 21 फलों, सब्जियों व मसालों को कवर करके 29,864 किसानों को 135.37 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में डाली है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि तेज बारिश या अन्य आपदा में ख़राब हुई फसलों की मुआवजा राशि को बढ़ाकर 15,000 रूपये प्रति एकड़ किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 33 लाख किसानों को 9626 करोड़ रूपये के क्लेम वितरित किए जा चुके हैं। पिछले 11 सालों मे प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए किसानों को 15627 करोड़ रुपये की राशि का मुआवजा दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने किसानों से मंडियों में धान एवं अन्य फसलों की खरीद व्यवस्था पर फीडबैक ली और कहा कि कोई कमी होगी तो उसको भी दूर किया जाएगा। मौके पर मौजूद किसानों ने प्रदेश सरकार की मंडी व्यवस्था से ख़ुशी जाहिर की और कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आ रही है।

अंबाला छावनी में निर्माणाधीन आजादी की पहली लडाई के शहीद स्मारक का उदघाटन नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना- अनिल विज

अंबाला छावनी में निर्माणाधीन स्मारक आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित एशिया का सबसे बड़ा स्मारक - अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि सन 1857 में लड़ी गई आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित अंबाला छावनी में निर्माणाधीन शहीद स्मारक एशिया का सबसे बड़ा स्मारक है। इस स्मारक के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता संग्राम की सच्चाई और शहीदों की कुर्बानियों से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में इस स्मारक के उदघाटन होने की संभावना है और उनके द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया गया है कि वे इस विशाल व महत्वपूर्ण शहीद स्मारक का उदघाटन अपने कर-कमलों से करें।

श्री अनिल विज ने बताया कि आजादी की पहली लड़ाई में अत्यंत क्रूरता हुई। लोगों को पेड़ों से बांधकर गोलियों से मारा गया, कई सालों तक जेलों में रखा गया और कई रेजिमेंटों को भंग कर दिया गया।

उन वीर शहीदों को आज तक उचित सम्मान नहीं मिला।

उनकी कहानियों को लोगों के सामने नहीं लाया गया, उनके गीत नहीं गाए गए और उनके बलिदान के लिए कोई विशेष दिन नहीं मनाया गया। इस सच्चाई को सामने लाने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास और संघर्ष किया।

उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक अब लगभग तैयार हो चुका है। इसका उद्घाटन नवंबर के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना है। श्री विज ने कहा कि चूंकि यह स्मारक अत्यंत विशाल और महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से प्रार्थना की है कि इस शहीद स्मारक का उद्घाटन प्रधानमंत्री के कर-कमलों से करें।

ढोसी पहाड़ी पर शीघ्र आरंभ होगा रोपवे परियोजना का कार्य, महेंद्रगढ़ बनेगा वैश्विक पर्यटन केंद्र

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने महेन्द्रगढ़ जिले की प्रसिद्ध ढोसी पहाड़ी पर प्रस्तावित रोपवे परियोजना सहित प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज यहाँ ढोसी हिल रोपवे प्रोजेक्ट को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें पर्यटन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य के पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का सशक्त माध्यम है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि ढोसी हिल रोपवे परियोजना लगभग 57 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही है, जिसके तहत इस क्षेत्र को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित रोपवे की लंबाई लगभग 870 मीटर होगी। रोपवे के निर्माण से ढोसी पहाड़ी तक पहुंचना आसान होगा, जिससे देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। यह परियोजना न केवल ढोसी क्षेत्र बल्कि महेंद्रगढ़ के ऐतिहासिक स्मारकों के प्रति भी पर्यटकों की रुचि को बढ़ाएगी।

बैठक में महेंद्रगढ़ किला, माधोगढ़ किला तथा बावली के पुनर्विकास पर भी चर्चा की गई। सुझाव दिया गया कि बावली को "रानी महल" के रूप में विकसित किया जाए ताकि वहाँ मेहंदी और सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन हो सके।

पंचकूला को कौशल्या डैम से जल्द मिलेगी पेयजल आपूर्ति

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचकूला शहर को कौशल्या डैम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त वाटर पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शीघ्र आरंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि पंचकूला के विभिन्न सेक्टरों में पूर्व की भांति ट्यूबवेल की जगह डैम से पेयजल आपूर्ति बहाल की जा सके।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राधिकरण पिंजौर-कालका क्षेत्र में स्वच्छ पानी के भंडारण हेतु 10-12 एकड़ भूमि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को उपलब्ध करवाए ताकि यह व्यवस्था होने से पिंजौर-कालका क्षेत्रों में भी कौशल्या डैम से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शीघ्र शुरू की जा सके। श्री नायब सिंह सैनी आज यहां व्यापक बांध सुरक्षा से संबंधित एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सभी संबंधित विभागों को पेयजल आपूर्ति के लिए भू-जल (ग्राउंड वाटर) की बजाय सतही जल (सरफेस वाटर) पर निर्भर रहना चाहिए तथा वर्षा के जल को वैज्ञानिक तरीके से संचित कर उसके उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिएं।

कजौली वाटर वर्क्स की मोटरों की क्षमता बढ़ाने के दिए निर्देश

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कजौली वाटर वर्क्स से होने वाली पानी की सप्लाई को सुदृढ़ किया जाए तथा पानी सप्लाई करने वाली मोटरों की क्षमता बढ़ाई जाए जिससे कजौली वाटर वर्क्स से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सके।

कौशल्या डैम की भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में करें पहल

मुख्यमंत्री ने कौशल्या डैम की जल भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में सिंचाई विभाग को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि गंदा पानी किसी भी स्थिति में डैम तक न पहुंचे, इसके लिए भी विभाग द्वारा अन्य संबंधित विभागों से तालमेल कर प्रभावी कदम उठाए जाएं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पंचकूला के कौशल्या डैम, सिरसा के ओटू हेड और यमुनानगर स्थित हथनीकुंड बैराज की स्थिति की समीक्षा की तथा विशेषज्ञों के स्वतंत्र पैनल द्वारा बांधों के मूल्यांकन के निर्देश दिए ताकि इन बांधों की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्री हनुमंत धाम में श्री हनुमान जयंती उत्सव 24 से : पंचमुखी हनुमान जी की पालकी का विभिन्न क्षेत्रों में अनेक हनुमान भक्तों के घर होगा आगमन

29 अक्तूबर को महाआरती में देसी घी से तैयार सवा मन यानी 51 किलो वजन के एक लड्डू का भोग लगाया जाएगा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सैक्टर-40 स्थित श्री हनुमंत धाम में महिला सुन्दर कांड सभा की ओर से 24 से 29 अक्तूबर तक पंचमुखी श्री हनुमान जयंती उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सभा के सदस्यों ने बताया कि 24 से 28 अक्तूबर (27 अक्टूबर को छोड़कर) तक रोजाना श्री हनुमान जी की पालकी यात्रा सैक्टर-37, 38, 39, 40, 41 में निकाली जाएगी व जगह-जगह कई हनुमान भक्तों के घरों में पालकी का स्वागत किया जाएगा तथा पालकी यात्रा श्री हनुमंत धाम में सम्पन्न होगी। महिला सुन्दर कांड सभा की अध्यक्ष नीना तिवारी के मुताबिक 29 अक्तूबर को सुबह सुबह 7 बजे से साढ़े 8 बजे तक हवन एवं ध्वजारोहण से कार्यक्रम होगा, जिसके पश्चात सुबह 9 बजे से सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ होगा। दोपहर को सवा एक बजे 251 दीपकों द्वारा भव्य महाआरती की जाएगी।

ख़ास बात ये होगी कि इस महाआरती में देसी घी से तैयार सवा मन यानी 51 किलो वजन के एक लड्डू का भोग लगाया जाएगा। बाद में छप्पन व्यंजनों का भी भोग लगेगा व दोपहर डेढ़ बजे से अटूट भंडारा बरताया जाएगा।

प्रदेश के किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे, अधिकारी करें सुनिश्चित: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्री मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे इसके लिए हरियाणा भवन स्थित आवासीय आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि केंद्रीय मंत्रालयों के द्वारा चलाई जा रही स्कीमों की जानकारी लेने के लिए संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर रखें और प्रदेश सरकार के विभागों को भी इस बारे में नियमित रूप से अवगत कराएं। साथ ही स्कूल व कॉलेजों के प्रिंसिपल भी विद्यार्थियों को योजनाओं की जानकारी दें और उनके स्कॉलरशिप के ऑनलाइन फार्म भी भरवाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री आज सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में एससी व बीसी विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई भी मेधावी व जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप योजनाओं की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए।

उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर सभी छात्रवृत्ति योजनाओं की पूरी जानकारी साफ-साफ लिखी हो ताकि विद्यार्थियों को फार्म भरने और आवेदन की प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं की ग्राउंड मॉनिटरिंग करें और समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपें, ताकि प्रदेश सरकार अपनी 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी विद्यार्थियों के खातों में डाल सकें और शेष 60 प्रतिशत केंद्र की हिस्सेदारी सीधे डीबीटी के माध्यम विद्यार्थियों के खाते में आ सके।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के दाखिले के समय ही काउंसलिंग के दौरान अधिकारी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को जानकारी दें कि यदि वे स्कॉरशिप योजना के पात्रता में आते हैं तो विद्यार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक करवाएं, ताकि उन्हें समय पर स्कॉलरशिप मिल सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष ध्यान देश के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) पर केंद्रित है, ताकि हर युवा आत्मनिर्भर बन सके और अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कर सके। इसी दिशा में हरियाणा सरकार भी राज्य के विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से जुड़े अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के युवाओं के कौशल को निखारने पर विशेष बल देगी। सरकार का लक्ष्य है कि ये विद्यार्थी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें बल्कि रोजगार योग्य बनें और आत्मसम्मान के साथ समाज में अग्रणी भूमिका निभाएं।

बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि स्कॉलरशिप योजनाएं उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, पशुपालन एवं डेयरी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष विभागों द्वारा चलाई जा रही हैं। विद्यार्थियों स्कॉलरशिप के लिए को उच्चतर शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड करना होता है। उसके बाद संबंधित कॉलेज या विश्वविद्यालय तथा विभाग द्वारा सत्यापित करना होता है। इसके उपरांत राज्य सरकार की हिस्सेदारी का 40 प्रतिशत अदायगी की जाती है। तदनुसार 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के खाते में डाला जाता है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, सामाजिक न्याय, अधिकारिता अनुसूचित जाति पिछड़े वर्ग एवं अंतोदय विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।